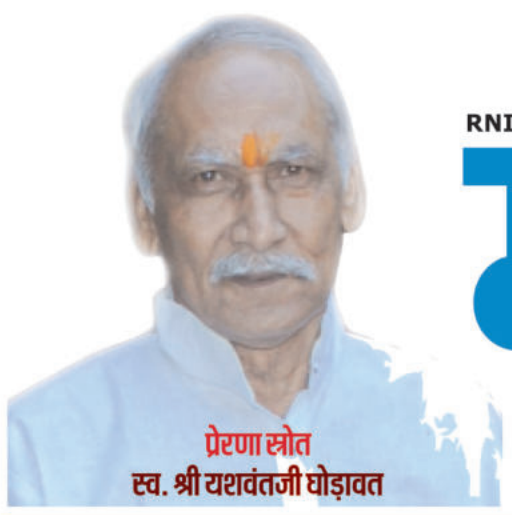
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

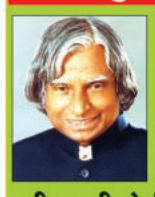

मुझे पूरा यकीन है कि जब तक किसी ने नाकामयाबी की कड़वी गोली न चखी हो, वो कामयाबी के लिए पर्याप्त महत्वकांक्षा नहीं रख सकता।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

वर्ष-06, अंक - 42 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 11 जुलाई 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

मोदी का ऑस्ट्रिया में हुआ स्वागत, कार्ल नेहमर ने की मेजबानी

वियना एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के बाद दो दिन के दौरे पर ऑस्ट्रिया पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में पीएम मोदी का स्वागत हुआ है। ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने पीएम मोदी की मेजबानी की। ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने एक्स पर पीएम मोदी के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए कहाए वियना में आपका स्वागत है। ऑस्ट्रिया में आपका स्वागत करना हमारे लिए खुशी और सम्मान की बात है। ऑस्ट्रिया और भारत दोस्त व साझेदार हैं। मैं आपकी यात्रा के दौरान हमारी राजनीतिक और आर्थिक चर्चाओं का इंतजार कर रहा हूं। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। इसके साथ ही कहा कि वह कल होने वाली हमारी चर्चाओं के लिए भी उत्सुक हैं। हमारे देश विश्व की भलाई के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर वियना में दोनों नेताओं की एक साथ तस्वीरें पोस्ट की। उन्होंने कहाए भारत.ऑस्ट्रिया साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने निजी मुलाकात की मेजबानी की। यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक है। द्विपक्षीय साझेदारी को साकार करने पर आगे चर्चा होगी।पीएम मोदी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहाए चांसलर कार्ल नेहमरए वियना में आपसे मिलकर खुशी हुई। भारत.ऑस्ट्रिया की दोस्ती मजबूत है और आने वाले समय में यह और भी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया यात्रा के दौरान दोनों देश अपने संबंधों को और मजबूत बनाने तथा विभिन्न भू.राजनीतिक चुनौतियों पर सहयोग के तरीकों पर विचार करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसारए पीएम मोदी आज ऑस्ट्रिया में कई अलग.अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वह वियना में उद्योगपतियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी बातचीत करेंगे।

उपराष्ट्रपति पर कपिल सिब्बल का निशाना, पीएम को भी घेरा

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि धनखड़ द्वारा सदन में विपक्ष के सदस्यों के संबोधन में लगातार व्यवधान डाला जा रहा है। सिब्बल ने जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले समेत कुछ मुख्य मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने यह भी दावा किया के भारतीय जनता पार्टी से जुड़े नेताओं में अयोध्या में जमीन खरीदी है। इसके अलावा सिब्बल ने देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति पर भी टिप्पणी की।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि सदन में विपक्षी नेताओं के भाषणों को टीवी पर नहीं दिखाया जाता। उन्होंने कहा कि राज्यसभा अध्यक्ष बार बार विपक्ष के नेताओं के भाषणों में हस्तक्षेप करते हैं। जब धनखड़ कहते हैं कि कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा तो माइक बंद कर दिए जाते हैं। सिब्बल ने कहाए ष्पीएम मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति अध्यक्ष हामिद अंसारी के काम करने के तरीके को लेकर गलत टिप्पणी की और यह ठीक नहीं है। किसी भी सदस्य को को राज्यसभा अध्यक्ष पद का सम्मान करना चाहिए और उनकी पीठ पीछे उनके खिलाफ टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।ष् सिब्बल ने कहा कि ऐसे आरोपों के सत्यापन की भी आवश्यकता है।

मुख्य आरोपी हैं केजरीवाल : शराब घोटाले पर बीजेपी सांसद बोलीं, हाईकोर्ट ने भी माना, सीएम की गिरफ्तारी कानूनी है

नई दिल्लीए एजेंसी।

नई दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। चार्जशीट में एक बात सामने आई है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल शराब घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। हाईकोर्ट ने कहा था कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कानूनी है। कोर्ट ने केजरीवाल के खिलाफ 12 जुलाई को पेशी वारंट जारी किया है।

अदालत ने आबकारी नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व आप के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दायर पूरक आरोपपत्र पर मंगलवार को संज्ञान लिया।

अदालत ने कहाए मामले में केजरीवालए आप व अन्य के खिलाफ मुकदमा चलाने के पर्याप्त साक्ष्य हैं। इसके अलावा अदालत ने आरोपी विनोद चौहान और आशीष माथुर के खिलाफ ईडी की आठवीं पूरक चार्जशीट पर भी संज्ञान लिया है।

केदारनाथ विधायक का हुआ निधन

देहरादून। केदारनाथ विधानसभा सीट से भाजपा की विधायक शैलारानी रावत का मंगलवार रात निधन हो गया। वो 68 वर्ष की थीं और काफी लंबे समय से अस्वस्थ चल रहीं थीं। देहरादून के मैक्स अस्पताल में इलाज के दौरान रात 10 बजकर 35 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली।

निधन की सूचना दे रहे विधायक के निजी सचिव पपेंद्र रावत ने बताया किए वो पिछले 02 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं। यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधायक शैलारानी रावत के निधन पर दुख जाहिर किया है। सीएम धामी ने कहाए कि केदारनाथ विधानसभा की लोकप्रिय विधायक शैलारानी रावत जी के निधन का अत्यंत पीड़ादायक समाचार प्राप्त हुआ। उनका जाना पार्टी और क्षेत्रवासियों के लिए अपूर्णीय क्षति है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पण भाव को सदैव ही याद रखा जाएगा। यहां बतलाते चलें कि विधायक शैलारानी रावत वर्ष 2017 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान गिर गईं थींए जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं थीं। ऐसे में उन्हें बीमारियों ने भी घेर लिया थाए लेकिन तीन साल के करीब चले इलाज से वो स्वस्थ्य होकर पुनः राजनीति में सक्रिय हुईं थीं। दो माह पहले एक बार फिर वो ओंकारेश्वर मंदिर की सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गईं। इलाज के दौरान मंगलवार रात को उनका निधन हो गया।

महिला पीआरओ ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। राजधानी के गोविंदपुर थाना इलाके के साकेत नगर में रहने वाली पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के दफ्तर में पदस्थ महिला जनसंपर्क अधिकारी पूजा माया थापक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पूजा जनसंपर्क विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर थी। उनके पति निखिल दुबे भी प्रौद्योगिकी विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। दो साल पहले दोनों की लव मैरिज हुई थी, दंपत्ती का एक साल का बच्चा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार रात को 12 बजे पूजा का पति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। झगड़े के बाद गुस्से में वह अपने कमरे में चली गई और वहां फांसी लगा ली। बाद में जब निखिल पत्नी के कमरे में पहुंचे तो उन्हें पूजा का शरीर फंदे पर लटका नजर आया। पति उन्हें फंदे से उतार कर एम्स ले गए वहां उन्हें कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टरों ने पूजा को मृत् घोषित कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना हैए कि शुरुआती जांच में घटना स्थल से फिलहाल ऐसा कोई सुहाग नहीं मिला है। जिससे आत्महत्या का कारण साफ हो सके। हालांकि शुरुआती जांच के आधार पर खुदकुशी का कारण पारिवारिक विवाद सामने आ रहा है। पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

पूर्व मंत्री ने थामा भाजपा का दामनए छतरपुर विधायक ने भी छोड़ा आप का साथ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके और आप पार्टी को अलविदा कह चुके राजकुमार आनंद ने बसपा का साथ छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया। लोकसभा चुनाव से पहले मंत्री पद से इस्तीफा देकर वे बसपा में शामिल हुए थे। इनके अलावा आप के छतरपुर से विधायक करतार सिंह तंवर और आप पार्षद उमेद सिंह फोगाट भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

वहींए पूर्व विधायक वीणा आनंदए आप नेता रत्नेश गुप्ता और सचिन राय भी भाजपा में शामिल हुए। भाजपा मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद सचदेवा ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कराई। राजकुमार आनंद ने हाल में हुए लोकसभा चुनाव में नई दिल्ली सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इस सीट से भाजपा की बांसुरी स्वराज ने जीत दर्ज की थी। राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में सामाजिक कल्याण मंत्री थे। उन्होंने दिल्ली सरकार पर अनुसूचित जाति विरोधी बताते हुए मंत्री पद के साथ ही आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद उन्होंने बसपा का दामन थाम लिया है।

मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज भाजपा सांसद अपनी ही पार्टी को बता रहे दलित विरोधी

बेंगलुरुए एजेंसी।

भाजपा के एक सांसद इस वक्त अपनी ही पार्टी से खफा हैं। नाराजगी इतनी ज्यादा है कि उन्होंने भाजपा को दलित विरोधी पार्टी बता दिया। उनकी नाराजगी इस इसलिए है कि वे केंद्र में मंत्री बनना चाहते थेएलेकिन उनका नंबर नहीं लगा तो वे खफा हो गए। पार्टी के वरिष्ठ दलित नेता रमेश जिगाजीनेगी ने भाजपा को दलित विरोधी बताया है। साथ ही कहा है कि कई लोगों ने उन्हें भाजपा के साथ नहीं जाने के लिए कहा था। खास बात है कि जिगाजीनेगी 1998 से लेकर अब तक सभी लोकसभा चुनावों में विजयी रहे हैं। इसके अलावा वह 2016 से 2019 के बीच केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसारए मंगलवार को विजयपुरा से सांसद जिगाजीनेगी ने कहाए मुझे केंद्रीय मंत्री का पद मांगने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहाए लोगों का समर्थन मेरे लिए जरूरी है। लेकिन जब मैं वापस आयाए तो लोगों ने मुझे बुरी तरह डांटा। कई दलितों ने मुझे बताया है कि भाजपा कैसे दलित विरोधी है और मुझे इसके बारे में पार्टी में शामिल होने से पहले पता होना चाहिए था। उन्होंने कहाए मेरे जैसा दलित एकमात्र व्यक्ति हैए जिसने दक्षिण भारत में सात चुनाव जीते हैं। सभी सवर्णों को कैबिनेट पद दिए गए हैं। क्या दलितों ने भाजपा का समर्थन नहीं किया था। इस बात ने मुझे काफी दुख पहुंचाया है। जून में संपन्न हुए 543 सीटों पर लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240 सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकिए पार्टी 272 के बहुमत के आंकड़े से चूक गई थीए लेकिन केंद्र में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी। कर्नाटक की 28 में से भाजपा 17 सीटों पर विजयी रही थी। पार्टी ने जनता दल सेक्युलर के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। जेडीएस के खाते में 2 सीटें आईं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला : मुस्लिम महिलाएं भी गुजारा भत्ता मांगने की हकदार

नई दिल्लीए एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता लेने के लिए याचिका लगाने की हकदार हैं। तेलंगाना के एक मुस्लिम शख्स ने अपनी तलाकशुदा पत्नी को भत्ते के रूप में 10 हजार रुपये देने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने अलग.अलग लेकिन एकमत से फैसला सुनाकर कहा कि धारा 125 सीआरपीसी सभी महिलाओं पर लागू होती है। उन्होंने कहा कि अगर किसी मुस्लिम महिला को धारा 125 सीआरपीसी के तहत आवेदन के दौरान तलाक दे दिया जाता हैए तब वह मुस्लिम महिला ;विवाह पर अधिकारों का संरक्षणद्ध अधिनियमए 2019 के तहत गुहार लगा सकती हैए जो अतिरिक्त उपाय प्रदान करता है।

जस्टिस नागरत्ना के हवाले से कहाए हम इस आपराधिक अपील को इस अहम निष्कर्ष के साथ खारिज कर रहे हैं कि धारा 125 सीआरपीसी सभी महिलाओं पर लागू होगीए न कि केवल विवाहित महिलाओं पर। उन्होंने कहा कि अगर मुस्लिम महिला तलाकशुदा है और पीड़ित महिला ने धारा 125 सीआरपीसी के तहत आवेदन किया हैए तब वह मुस्लिम महिला ;विवाह पर अधिकारों की सुरक्षाद्ध अधिनियमए 2019 का सहारा ले सकती हैंए जो अतिरिक्त राहत प्रदान करता है। शीर्ष अदालत ने मुस्लिम महिला ;तलाक पर अधिकारों की सुरक्षाद्ध अधिनियमए 1986 के बावजूद तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं पर आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के लागू होने की फिर से पुष्टि की है। यह कानून ऐतिहासिक शाह बानो केस का नतीजा हैए जहां अदालत ने धारा 125 सीआरपीसी को एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान के रूप में मान्यता दी थीए जो मुस्लिम महिलाओं पर भी लागू होता है।

अब तक पर्सनल लॉ के आधार पर बने कानून के तहत तलाक होने के बाद 90 से 100 दिनों की इद्दत यानी एकांतवास की अवधि तक ही मुस्लिम महिलाएं अपने पूर्व शौहर से गुजारा भत्ता पाने को हकदार हैं। इसके बाद उन्हें गुजारा भत्ता नहीं मिलता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के मामले में फैसला सुनाया था कि मुस्लिम महिलाएं भी अन्य महिलाओं की तरह गुजारा भत्ता मांगने की हकदार हैं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुआ बड़ा हादसाए 18 की हुई मौत

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा.लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक भीषण दुर्घटना घट गई। दरअसल बिहार के मोतिहारी से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस ने दूध के टैंकर को टक्कर मार दी। जिसके चलते इस दुर्घटना में 18 लोगों की जान चली गई और 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। वहीं दुर्घटना स्थल पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसारए मरने वालों में दो बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं।

दरअसल घायलों का बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज किया जा रहा हैए जहां 17 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्नाव के जिलाधिकारी गौरांग राठी ने घायलों की संख्या 19 बताई गई है।

दरअसल दुर्घटना बुधवार सुबह उन्नाव जिले के बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में गढ़ा गांव के सामने हुई। बस ने टैंकर को पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि बस टैंकर को चीरते हुए आगे निकल गई। इस टक्कर से दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए।

वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे घायलों के इलाज की निगरानी करें और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और इस दुखद घटना की पूरी जांच करने का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार बस में लगभग 50 मजदूर सवार थेए जो रोजगार की तलाश में दिल्ली जा रहे थे। अधिकांश यात्री बिहार के मोतिहारी से थे और बेहतर काम की तलाश में दिल्ली की ओर जा रहे थे। दुर्घटना के बाद बस के कई हिस्सों में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए बचावकर्मियों ने कड़ी मशक्कत की है।

पेट्रोल पंप संचालकों की मनमानी, कहीं कंप्रेसर खराब है तो कहीं कर्मचारी मौजूद नहीं

पेट्रोल पंप पर निशुल्क हवा भरने के उपकरण खराब, पेयजल की भी नहीं है उचित व्यवस्था, शौचालयों के भी बुरे हाल

माही की गूंज, भामल/खवासा।

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में पेट्रोल पंप बड़ी मात्रा में शुरू हो गए हैं लेकिन इन पेट्रोल पंप संचालकों की मनमानी की आगे उपभोक्ता परेशान है। जिस अनापत्ति प्रमाण पत्र के माध्यम से यह पेट्रोल पंप संचालक का दावा करते हैं धरातल पर उन नियमों का पालन ही नहीं किया जा रहा है। जिससे कहीं ना कहीं उपभोक्ता अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहा है। आमजन इसके लिए काफी परेशान होते है। आमजन जब पेट्रोल पंप पर हवा भरवाने के साथ ही पेट्रोल भरवाने के लिए आते हैं तो उनको कोई भी सुविधा मिल नहीं पाती है। जिसके चलते उन्हे निराशा हाथ लगती है।

कुछ ऐसा ही मामला ग्राम खवासा में सामने आया जहां तीन पेट्रोल पंप थांदला मार्ग पर संचालित हो रहे हैं। जिसमें ऐसार पैट्रोल पम्प, इंडियन ऑयल के दो पेट्रोल पंप यहां संचालित हो रहे हैं। इन पेट्रोल पंप पर निःशुल्क मिलने वाली हवा और पेयजल तक की व्यवस्था नहीं है। इसके कारण उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण अंचल में पेट्रोल पंप पर उपभोक्ताओं की सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है। यहां वाहनों में भरी जाने वाली हवा और पेयजल नदारद है। पेट्रोल पंप संचालकों की मनमानी के आगे उपभोक्ता उपेक्षाओं का शिकार हो रहे। जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों के समय-समय पर निरक्षण नहीं होने से नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। कई पेट्रोल पंप पर तो कंप्रेसर और हवा भरवाने की सुविधाओं के उपकरण तक नहीं है, जहां है भी तो वह भी खराब स्थिति में पड़े हुए हैं।

जब माही की गूंज ने तीनों पेट्रोल पंपों का जायजा लिया कि यहां उपभोक्ताओं सभी सुविधा मिल रही है या नहीं। लेकिन तीनों ही पेट्रोल पंपों पर हवा भरने की मशीन खराब पड़ी थी। वहीं एसआर पेट्रोल पंप पर हवा भरने की मशीन पंप के केबीन के पीछे रखी हुई थी। साथ ही शौचालय की भी सही साफ-सफाई नहीं देखने को मिली। तो वहीं एसआर पेट्रोल पंप पर लाइट नहीं होने से उपभोक्ता पेट्रोल भरवाने के लिए लाइट का इंतजार करते दिखाई दिए, जबकि पंप पर जनरेटर सुविधा उपभोक्ताओं के लिए होनी चाहिए थी।

बुधवार को खवासा में पेट्रोल पंप पर पहुंचकर हकीकत जानी तो पता चला कि हवा भरने के कंप्रेसर की कई महीने से मोटर ही नहीं है। तो कहीं संचालकों ने मशीन को प्लास्टिक से ढककर रख रखी है। खवास में पेट्रोल भरवा रहे उपभोक्ता रमेश, दिता, राहुल, सूरज, आदि ने बताया कि शौचालय की व्यवस्था सही नहीं है।

शौचालय पर गंदगी पसरी पड़ी है। कई दिनों से पीने के पानी की व्यवस्था भी सुचारू रूप से नहीं है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पेट्रोल जब गाड़ियों में डाला जाता है तो मशीन को जीरो ना करते हुए डायरेक्ट जिसको पहले डाला था उसी आधार पर पेट्रोल डाल दिया जाता है। जबकि नियम तो जीरो करके डालने का है। पेट्रोल पंप पर कार्य कर रहे कर्मचारियों से पूछा तो बोला कि कई कंप्रेसर खराब हो चुके है, इसके कारण बंद पड़े हुए हैं। जहां मशीन चालू है वहां कर्मचारी मौजूद नहीं है। ऐसे में लोग पेट्रोल पंप पर मिलने वाली मुफ्त सुविधाओं का लाभ नहीं ले पा रहे है। जिसके लिए उपभोक्ताओं को बाजार में पैसे खर्च कर अपने वाहन में हवा डलवानी पड़ती है।

जिन नियमों का हवाला दिया जाता है वह धरातल पर है ही नहीं

पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल भरवाने के लिए आने वालों को पीने के पानी, शौचालय, हवा भरने की निःशुल्क सुविधा दिए जाने का आदेश है। इसके लिए सभी पेट्रोल पंप संचालक को सरकारी निर्देश भी जारी हुए है। यदि किसी पेट्रोल पंप पर सुविधा फ्री में नहीं मिलती है और कोई शुद्धता की जांच करना चाहता है तो उसे इस सुविधा से भी वंचित कर रखा जाता है। जबकि यह नियम पेट्रोल पंप पर लागू है लेकिन पेट्रोल पंप संचालक नियमों का पालन नहीं कर रहे है।

शिकायती नंबर के साथ कंपनी के अधिकारियों के नंबर भी होना चाहिए पेट्रोल पंप पर

पेट्रोल पंप पर नियमों का तो पालन ही नहीं किया जा रहा है। हर समय उपभोक्ताओं को पेट्रोल-डीजल चोरी का डर सताए रहता है। वे मीटर और पेट्रोल डीजल वितरित करने वाले कर्मचारियों के हाथों की गतिविधियों पर भी टकटकी लगाए रहते हैं। वहीं अगर उपभोक्ताओं के अधिकार क्षेत्र की बात की जाए तो हर पेट्रोल पंप पर शिकायत पेटी या पुस्तिका होने का प्रावधान है। साथ ही कंपनी के अधिकारियों के नंबर भी होना चाहिए लेकिन यह सुविधा भी पेट्रोल पंपों पर देखने को नहीं मिलती।

कलेक्टर ने शासकीय कड़कनाथ कुक्कुट फार्म का किया निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर नेहा मीना ने एक जिला एक उत्पाद अंतर्गत शासकीय कड़कनाथ कुक्कुट फार्म झाबुआ का निरीक्षण किया। वहां पर संचालित हेचरी मशीन एवं कुक्कुट का निरीक्षण किया। हेचरी मशीन एवं अन्य प्रक्षेत्र की समस्त जानकारी ली। उप संचालक पशु पालन विभाग डॉ विल्सन डावर ने बताया कि लगभग 3 हजार परिवारों को बुलाया गया है। कलेक्टर द्वारा ज्यादा से ज्यादा एफपीओ बनाए जाने एवं हेचरी मशीन अपग्रेड करने के निर्देश दिए। फार्म पर पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण भी किया गया।

कुक्कुट फॉर्म निरीक्षण के तत्पश्चात् कलेक्टर ने विकासखण्ड झाबुआ के ग्राम पिपलिया के कड़कनाथ पलकों के निवास पर जाकर कड़कनाथ कुक्कुट पालन की तकनीक का निरीक्षण किया एवं समूह के सदस्यों से चर्चा की एवं उन्हें कड़कनाथ पालने के लिए प्रोत्साहित किया एवं शासकीय योजना का लाभ देने के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग को निर्देशित किया। कलेक्टर द्वारा शासन की योजनाओं से लाभ की जानकारी प्राप्त की 62 परिवारों द्वारा कड़कनाथ पालन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रति परिवार को 6 से 8000 रुपए प्रतिमाह कल आप प्राप्त कर रहे हैं पिपलिया में हेचरी सेंटर, मुर्गियों के लिए दाना, कड़कनाथ पार्लर आदि विषय में किसानों के साथ चर्चा की गई, किसानों को हेचरी मशीन का प्रशिक्षण दिए जाने हेतु पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से किसान की आय वृद्धि करने हेतु कार्य योजना तैयार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभ प्रदान कराने को कहा गया। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर द्वारा कड़कनाथ मुर्गीपालन के संबंध में बैठक आयोजित

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा में एक जिला एक उत्पाद की बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में संबंधित विभाग द्वारा कड़कनाथ कुक्कुट पालन के बारे में पिछले वर्षों में किए गए कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में नाबार्ड से सहयोग प्राप्त दो कड़कनाथ उत्पादक संगठन, तीन निजी विक्रेता एवं अन्य समिति के विक्रेता उपस्थित हुए। कलेक्टर द्वारा वेबसाइट को पुनः नए सिरे से तैयार करने, विक्रेताओं की जानकारी वेबसाइट में जोड़ने, कड़कनाथ मुर्गी के लिए दाने की व्यवस्था, नए पार्लर स्थापित करने हेतु प्रयास, अन्य राज्यों में कड़कनाथ को विक्रय करना, अधिक से अधिक किसानों को कड़कनाथ पालन हेतु प्रेरित करने को कहा गया।

इस दौरान उपसंचालक पशुपालन डेयरी विभाग श्री डॉ. विल्शन डावर, जिला विकास प्रबंधक डीएम झाबुआ श्री घनश्याम मीणा, एफईओ अध्यक्ष नवली थंदार अन्य अधिकारी एवं एफपीओ उपस्थित रहे।

क्रिकेट सट्टेबाज की तलाश में अजमेर जाएगा पुलिस दल

माही की गूंज, रतलाम।

फाइनेंस कंपनी खोलने के नाम पर भवन किराये से लेकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में गिरफ्तार आरोपित 52 वर्षीय मोहम्मद फारूक पुत्र फकीर मोहम्मद निवासी निवासी अहमदाबाद (गुजरात) को स्टेशन रोड पुलिस ने पुलिस रिमांड अवधि खत्म होने पर रविवार को पुनः न्यायालय में पेश किया।

पुलिस ने उससे रुपये जब्त करने, क्रिकेट सट्टे के बुकी के बारे में जानकारी लेने के लिए पुलिस रिमांड बढ़ाने की मांग की। न्यायालय ने उसे 11 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर रखने के आदेश दिए। उसने करीब 20 लाख रुपये क्रिकेट सट्टे के बुकी को देना बताया है। पुलिस दल अब बुकी की तलाश करने के लिए उसे लेकर अजमेर लेकर जाएगा।

उल्लेखनीय है कि, नवंबर 2023 में आरोपित मोहम्मद फारूक ने स्थानीय स्टेशन रोड निवासी फरियादी गिरीश मेहता से संपर्क कर बताया था कि उसे फाइनेंस कंपनी खोलने के लिए ऑफिस व निवास करने के लिए एक भवन किराये से चाहिए। उन्होंने एग्रीमेंट कर उसे भवन किराये पर दे दिया था। फारूक ने लोकल एड्रेस पर मोबाइल फोन की नई सिम लेकर महाराष्ट्र बैंक में खाता खुलवाया था। इसके बाद उसने गेट ग्लोबल नाम से फाइनेंस कंपनी का आफिस खोलकर विज्ञापन देकर कर्मचारियों की भर्ती की थी।

साजिश के तहत उसने हाउस, बिजनेस, पर्सनल, मार्टगेज, एग्रीकल्चर लोन आदि के पंपलेट छपवाकर आफिस खोला था। उसने कर्मचारियों को रतलाम के आसपास के क्षेत्रों में भेजकर लोगों से लोन देने के लिए प्रक्रिया फीस के नाम पर 40 दिन में करीब 15 लाख रुपए एकत्र किए थे।

इसके अलावा उसने मकान मालिक गिरीश मेहता से लोन वितरित करने के नाम पर 27 लाख रुपये कुछ दिन बाद वापस करने के नाम पर लिए थे। धोखाधड़ी के रुपये लेकर वह मुंबई आरबीआई ऑफिस जाने का बात कहकर भाग निकला था। फरवरी 2024 में मेहता ने उसके खिलाफ रिपोर्ट की थी। तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। वह छह जुलाई को किसी काम से रतलाम आया था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। न्यायालय ने उसे सात जुलाई तक पुलिस रिमांड पर रखने के आदेश दिए थे।

आइपीएल में हार गया रुपये

पुलिस के अनुसार पूछताछ में मोहम्मद फारूख ने बताया कि वह धोखाधड़ी से प्राप्त काफी रुपया आइपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान क्रिकेट के सट्टे में हार गया। उसने करीब 20 लाख रुपये अजमेर में रह रहे क्रिकेट सट्टे के एक बुकी को दिए थे। उक्त बुकी की तलाश में एक-दो दिन में दल उसे अजमेर लेकर जाएगा। उसने राजस्थान के जोधपुर में सन फाइनेंस व सीकर में सूर्या फाइनेंस, उड़ीसा के भुवनेश्वर में ईजी फाइनेंस. गुजरात के सूरत में एक्सलुट शोपर्स, बिहार, झारखंड, अहमदाबाद आदि स्थानों पर अलग-अलग कंपनी के नाम से आफिस खोले थे। पुलिस उक्त आफिसों के बारे में भी जानकारी निकाल रही है।

जय माता जी, जय-जय बाबा अमरनाथ, वंदे मातरम् के जयकारों से गूंज उठा रेलवे स्टेशन परिसर

आध्यात्मिक यात्रा व्यक्ति के चिंतन, मनन व दर्षन की परिचायक होती है - नीरज राठौर

माही की गूंज, झाबुआ।

आध्यात्मिक यात्रा व्यक्ति के चिंतन, मनन व दर्षन की परिचायक होती है। उक्त विचार रेलवे स्टेषन पर सामाजिक महासंघ के जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर ने अमरनाथ यात्रियों के स्वागत सत्कार के संक्षिप्त समारोह में कहे।

झाबुआ के वरिष्ठ समाज सेवियों का एक 51 सदस्यीय दल मातृशक्ति के साथ दिनांक 29 जून को अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ था। बाबा बर्फानी एवं माता वैष्णो देवी की सफल यात्रा पूर्ण होने के बाद यह तीर्थ यात्री 10 जुलाई को जम्मू तवी ट्रेन से मेघनगर रेलवे स्टेशन पर प्रातः 8 बजे पहुंचे।

जिनका अभिनंदन सामाजिक महासंघ के अध्यक्ष नीरज सिंह राठौर, बृजेश टवली, देवराज मेहता, हिमांश मेहता, खुशी मेहता, निशीत शर्मा, अथर्व शर्मा,कवि मोहम्मद निसार खान पठान, छोटी बालिका अक्सानूर पठान, बाबू भाई चाय वाले, देवेन्द्र पटेल एवं अन्य समाजसेवी लोगों ने मेघनगर रेलवे स्टेशन पहुंचकर किया। इस अवसर पर पुष्प हार हर से स्वागत करते हुए सभी तीर्थ यात्रियों को अल्पाहार एवं चाय पान भी कराया गया इस स्वागत से तीर्थ यात्री काफी अभिभूत नजर आ रहे थे।

बाबा बर्फानी की जय, बाबा अमरनाथ की जय, भारत माता की जय, वंदे मातरम,धर्म भूमि मेघनगर की जय, जैसे गगन भेदी नारों से वातावरण धर्ममय बन गया था।

सामाजिक सदभावना का संदेष दिया कवि पठान ने

मेघनगर रेलवे स्टेषन पर स्वागत सत्कार के समय राष्ट्रीय कवि निसार पठान भी अपनी बेटी के साथ मौजूद रहे। सामाजिक सद्भावना व हिंदू - मुस्लिम एकता व भाई चारे का नजारा देखने को मिला। इस अवसर पर कवि मोहम्मद निसार खान पठान रंभापुरी ने तीर्थ यात्रियों के स्वागत में रचित काव्य रचना प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बाबा बर्फानी पर की गई कविता पाठ से सभी अभिभूत हुए व आसु कविता की सराहना की। अमरनाथ यात्रियों को मेघनगर से झाबुआ तक छोड़ने का कार्य केशव इंटरनेशनल स्कूल के प्रमुख ओम शर्मा द्वारा स्कूल बस भेज कर किया गया आगामी 13 जुलाई को सामाजिक महासंघ झाबुआ द्वारा सभी अमरनाथ तीर्थ यात्रियों का स्वागत का सम्मान किया जाएगा।

बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरे

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। हकीकत यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल नहीं हो सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 फीसदी आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें किसी भी दृष्टि से तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी है लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी।

योगेश कुमार गोयल

इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

रायपुरिया-करवड़ मार्ग चौड़ीकरण के लिए स्वीकृत, सर्वे प्रारंभ

बजट में लिया रोड, ग्रामीणों में हर्ष, लोकसभा चुनाव में क्षेत्र का प्रमुख मुद्दा था

माही की गूंज ,बरवेट।

दो राज्य के कई जिलों को जोड़ने वाला रायपुरिया-बरवेट-सारंगी-करवड़ मार्ग चौड़ीकरण के लिए स्वीकृत हो गया हैं। शासन की तरफ से ग्रामीण अंचल में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शासन की तरफ से चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण के लिए इस मार्ग के लिए बजट स्वीकृत किया गया है। लोक निर्माण विभाग की तरफ से चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण के लिए सर्वे कार्य प्रारंभ हो चुका है। शासन की तरफ से 2024-25 को पेश किए गए बजट में निर्माण कार्य के लिए बजट जारी किया है। रायपुरिया-करवड़ मार्ग लोक निर्माण विभाग का है जसकी लंबाई 24.5 किलोमीटर है। जिसके लिए 5200 लाख रुपये की राशि मंजूर हुई है। इससे बरवेट क्षेत्र वासियों में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि मार्ग का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण की मांग पिछले लोकसभा चुनाव की थी। यह मार्ग बन जाने से यात्रा करना आसान हो जाएगा। साथ ही क्षेत्रवसियें के लिए विकास के द्वार खुलेंगे।

दो राज्य और तीर्थ को जोड़ता यह मार्ग

रायपुरिया-बरवेट-करवड़ मांग की लंबाई 25 किलोमीटर है। यह मार्ग दो राज्य गुजरात अहमदाबाद और मध्यप्रदेश सागर राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने के लिए शॉर्टकट रास्ता है। इस मार्ग पर गुजरात से रोजाना सैकड़ों वाहन उज्जैन के महाकाल लोक और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए आते है। साथ ही जिले का सबसे बड़ा तीर्थ धाम विश्वमंगल हनुमान धाम तारखेड़ी दर्शन के लिए रतलाम उज्जैन और मालवा अंचल से हजारों की तादात में हर मंगलवार को श्रद्धालु पहुंचते है। साथ ही जिले के सैकड़ों गांवों को यह मार्ग जोड़ता है।

कागजी प्रक्रिया के बाद प्रारंभ होगा निर्माण

सरकार द्वारा 2024-25 पेश बजट में रायपुरिया, जामली, बरवेट, सारंगी, करवड़ मांग 24.4 किलोमीटर का चौड़ीकरण के लिए लिया है। इसके लिए 5200 लाख रुपये का बजट मंजूर हुआ है। अभी सर्वे कार्य प्रारंभ करवा दिया है। प्राकलन बनाकर विभाग को भेजेंगे। वहां से सेंशन होकर आएगा उसके बाद टेंडर जारी होंगे, फिर कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

रेशम गामड़ एसडीओ लोकनिर्माण विभाग

इस प्रकार होगा चौड़ीकरण

लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सुनील चौहान ने बताया कि रायपुरिया-करवड़ मार्ग लगभग 25 किलोमीटर है। जिसको टूलाइन बनाने के लिए सर्वे प्रारंभ हो गया है। सड़क का निर्माण बॉटम लेवल आरओडब्ल्यू 17 मीटर चौड़ा होगा। ऊपर आते-आते 12 मीटर चौड़ा होगा। जिसमें 7 मीटर डामर ओर ढाई ढाई मीटर की साइड पट्टी होगी। पूरा मार्ग नया बनेगा। रही बात पुलिया निर्माण की तो सर्वे के बाद इसकी जानकारी दी जाएगी।

लोकसभा चुनाव में प्रमुख मुद्दा था

रायपुरिया करवड़ मांग चौड़ीकरण की मांग पिछले तीन दशक से करते आ रहे थे। लेकिन इस लोकसभा चुनाव में यह मांग प्रमुख मुद्दा था। बरवेट सारंगी जामली करवड़ क्षेत्र के ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के समक्ष इस मांग को रखा था। जिस पर सुश्री निर्मला भूरिया ने पहले ही बजट में इस मार्ग को लेकर जो सौगात दी उसके लिए क्षेत्रवासियों ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बारिश के चलते उफान पर आए नाले से बेफिक्र गुजरते लोग, कहीं हो न जाए बड़े हादसे का शिकार

माही की गूंज, पेटलावद/बरवेट।

विकास खण्ड के कई हिस्सों में मंगलवार को हुई तेज बारिश से छोटे-छोटे नाले उफान पर आ गए। जहां से गुजरना लोगों की मजबूरी है, लेकिन उफान पर आए इन नालों से गुजरते लोग कहीं किसी बड़े हादसे या दुर्घटना का शिकार न हो जाए इसका ध्यान शासन-प्रशासन को रखकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

बरवेट क्षेत्र में मंगलवार सुबह और शाम को एक- एक घंटे की जबरदस्त बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बरवेट क्षेत्र के कई नदी-नाले मानसून के बाद पहली बार उफान पर आए। जिससे ग्रामीण क्षेत्र से आने-जाने वालों को परेशान होना पड़ा। पुलिया के ऊपर पानी बहने से बरवेट-सारंगी मार्ग कुछ समय के लिए बाधित हुआ। पुलिया पर पानी होने के बाद भी लोग बरसाती नाले और नदियों को पार करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जिसके चलते दुर्घटना हो सकती थी। बरवेट-सारंगी मार्ग पर दो नदी पड़ती है, जो कि बारिश में खतरे के निसान के ऊपर बहती है। मंगलवार को भी तेज बारिश से नदी के पुलिए के ऊपर से पानी का तेज बहाव था। इसके बावजूद बाइक सवार और चार पहियां वाहन वाले जान जोखिम में डाल कर उफनते नाले को पार करते दिखाई दिए। इस दौरान थोड़ी सी चूक से जान से हाथ धोना पड़ सकता है।

प्रशासन को अलर्ट रहना चाहिए

ग्राम नवापाड़ा के रामसिंह मुनिया ने बताया कि बरसात का मौसम प्रारम्भ हो चुका है। बरसात में नदी नाले उफान पर आ जाते है। जिस पर लोग जान जोखिम में डालकर उफनते नाले को पार करते है। थोड़ी सी चूक से जान से हाथ धोना पड़ सकता है। प्रशासन को ऐसी जगह पर अलर्ट रहना चाहिए। खास तौर पर स्कूली छात्र जो पढ़ाई के लिए बरवेट आते है। ज्यादा बारिश के समय प्रशासन को नदियों पर अलर्ट रहना चाहिए ताकि कोई हादसा या दुर्घटना ना घटे।

अज्ञात लोगों ने किया वाटर शेड को क्षतिग्रस्त, जिम्मेदारों को देखने तक की फुर्सत नहीं

माही की गूंज, झाबुआ।

थांदला जनपद की ग्राम पंचायत भामल में एक मामला सामने आया है। जिसमें करीब तीन से चार वर्ष पहले बनाए गए वाटरशेड में टोटे (जिलेटीन की राड) का इस्तमाल कर वाटर शेड को क्षतिग्रस्त किया गया। जिसमें आने वाले समय में पानी वहां संग्रहित नहीं हो पाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 साल पहले ग्राम भामल में समूह के माध्यम से हर जगह छोटी-छोटी नदियों पर जल संग्रहण के लिए वाटरशेड का निर्माण करवाया गया था। निर्माण की लागत भी करीबन 5 से 7 लाख तक थी। इन वाटर शेडों के निर्माण का उद्देश्य यह था कि जो छोटे तबके के किसान है, उनको अपनी सहूलियत अनुसार यहां से पानी उपलब्ध हो जाए और रबी की सीजन में उनको पानी भरपूर मात्रा में मिले। लेकिन कुछ अज्ञात किस्म के लोगों ने इन वाटर शेड को पूरी तरह से तोड़कर नुकसान पहुंचा दिया। कई जगह स्टाप डेम को तोड़ दिया गया। जिसमें 8 लेन के समीप बाजना मार्ग पर बड़े पुल से 200 मीटर आगे बने वाटर शेड को तोड़ कर नुकसान किया गया है। जिससे शासन के राजस्व को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन को इस ओर ध्यान देते हुए अज्ञात और असामाजिक तत्व पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं ग्राम पंचायत को इसकी सूचना भी नहीं है कि कहां का वाटरशेड या स्टापडेम तोड़ा गया है। जबकि ग्राम पंचायत की नजर कम से कम बारिश के दिनों में तो वाटरशेड और स्टाप डेमों पर होनी चाहिए जो उनके क्षेत्र या सीमा में आते है।

इनका कहना है

मेरे कार्यकाल में ही यह वाटरशेड बनाए गए थे, 5 से 6 लाख रुपए की लागत थी और समूह के माध्यम से बनाए गए थे। अब अगर किसी ने क्षतिग्रस्त कर दिया है तो मुझे मालूम नहीं। बाकी इस तरह से सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। ऐसे शरारती तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

नागु डामोर पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत भामल

मुझे इसकी जानकारी नहीं है, मैं मौके पर जाकर स्थिति देखूंगी, उसके बाद ही कुछ कह पाउंगी।

ममता बहादुर चरपोटा सरपंच ग्राम पंचायत भामल

मैं आपसे 15 मिनिट बाद बात करता हूं, अभी मीटिंग में हूं उसके बाद ही कुछ कह पाऊंगा।

देवेंद्र बारोडीया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला

धर्म मय होगा झाबुआ जिला - जैन श्वेताम्बर समाज के संत सतियाजी करेंगें विभिन्न स्थानों पर चातुर्मास

जिन शासन इतिहास में एक साथ इतने संत-सतियों का नही हुआ ज़िलें में चातुर्मास

माही की गूंज, थांदला।

झाबुआ जिले में झाबुआ सहित मेघनगर, थांदला, बामनिया, पेटलावद व पारा में जैन श्वेताम्बर समाज के स्थानकवासी, मूर्तिपूजक व तेरापंथ महासभा के विभिन्न सम्प्रदाय के 53 संत - सतियों का चातुर्मास होने जा रहा है जो जिन शासन के इतिहास में पहली बार होगा। इनमें स्थानकवासी सम्प्रदाय के 4 संत व 15 महासती इस तरह कुल 19 संत थांदला, पेटलावद व बामनिया में वर्षावास कर रहे है। जबकि मूर्तिपूजक संघ में झाबुआ, पारा व मेघनगर मिलाकर 7 संत व 23 सतियाजी वर्षावास करेंगें। इसी तरह तेरापंथ में 4 सतियों का चातुर्मास पेटलावद में हो रहा है।

संघ प्रवक्ता पवन नाहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय जयानंद सूरिश्वरजी मसा के शिष्य आचार्य श्रीमद् विजय दिव्यानंद सूरिश्वरजी मसा आदि ठाणा - 7 व प्रवर्तिनी साध्वी श्री मुक्तिश्रीजी मसा की सुशिष्या वरिष्ठ साध्वी श्री कुशलप्रभाश्रीजी, साध्वी श्री बसंतबालाश्रीजी सहित कुल 12 साध्वीजी इस प्रकार कुल 19 साधु-साध्वीयाँ झाबुआ शहर के मध्य में ऋषभदेव बावन जिनालय स्थित श्री राजेंद्रसूरी पौषधशाला पर चातुर्मास करेंगे। इस हेतु आचार्यश्री दिव्यानंदसूरिश्वरजी मसा सहित साधु एवं साध्वी मण्डल का भव्य मंगल प्रवेश गोड़ी पार्श्वनाथ मंदिर से 11 जुलाई को झाबुआ शहर में होगा। इसी प्रकार झाबुआ के समीप पारा नगर में गच्छाधिपति आचार्य नित्यसेनसूरीश्वरजी मसा एवं आचार्य जयरत्नसूरिश्वरजी मसा की अज्ञानुवर्तीनी साध्वी श्री चारित्रकलाश्रीजी सहित 7 साध्वीयों का 12 जुलाई को मंगल प्रवेश होगा। झाबुआ के समीप औद्योगिक क्षेत्र मेघनगर में गच्छाधिपति एवं आचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरिश्वरजी मसा और आचार्य श्रीमद् विजय जयरत्नसूरिश्वरजी मसा की आज्ञानुवर्तनी साध्वीश्री तत्वलता श्रीजी मसा आदि ठाणा - 4 का 17 जुलाई को मंगल प्रवेश होगा।

अणुवत्स का थांदला में होगा भव्य चातुर्मास

श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ में झाबुआ जिले के जैनाचार्य जिन शासन गौरव श्री उमेशमुनिजी मसा ''अणु'' की जन्म स्थली धर्म धरा थांदला नगर में श्री धर्मदासगण प्रमुख जैनाचार्य श्री उमेशमुनिजी मसा ''अणु'' के प्रथम सुशिष्य बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्री जिनेंद्रमुनिजी मसा के आज्ञानुवर्ती अणुवत्स श्री संयतमुनिजी मसा, श्री आदित्यमुनिजी मसा, श्री अमृतमुनिजी मसा, श्री अचलमुनिजी मसा आदि ठाणा - 4 के साथ सरलमना श्री निखिलशीलाजी मसा, श्री दिव्यशीलाजी (माताजी) मसा, श्री प्रियशीलाजी मसा व श्री दीप्तिश्रीजी मसा का वर्षावास है जो इसी गण की प्रमुख साध्वी श्री पुण्यशीलाजी मसा की सतिया जी है। इस तरह थांदला नगर में 27 वर्षों बाद एक ही परिवार के भाई मसा, माताजी मसा व बहन मसा का एक साथ चातुर्मास हो रहा है, इस तरह यहाँ पर इस बार चतुर्विध संघ का लाभ मिलेगा। इसी सम्प्रदाय व सिंघाड़े की सतियों में से ही मधुर व्यख्यानी श्री धेर्यप्रभाजी मसा, श्री अनुपमशीलाजी मसा, श्री सारिकाश्रीजी मसा, श्री चतुर्गुणाजी मसा, श्री आस्थाजी मसा, श्री अंजलीजी मसा आदि ठाणा - 6 बामनिया में व मधुर व्याख्यानी श्री सुव्रताजी मसा, श्री शिल्पाश्रीजी मसा, श्री नेहप्रभाजी मसा, श्री हंसाजी मसा, श्री करुणाजी मसा आदि ठाणा - 5 का वर्षावास पेटलावद नगर में हो रहा है। पेटलावद में ही तेरापंथ समाज के महाश्रमणजी की आज्ञा से साध्वी उर्मिला कुमारी आदि ठाणा - 4 चातुर्मास करेंगी।

संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि इस बार 20 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ हो जायेगें। इसके पूर्व ही सभी संत सतियाजी का अपने घोषित वर्षावास स्थल पर मंगल प्रवेश हो जाएगा। इस हेतु सकल संघ में उत्साह के साथ व्यापक तैयारियां भी हो चुकी है। ये संत सतियाजी अपने क्षेत्रों में जैन धर्म समाज में तीर्थंकर कल्याणक, पर्युषण पर्व आदि विभिन्न तिथियों पर ज्ञान-दर्शन-चारित्र-तप की महती प्रभावना करेंगें ही इसके अलावा अन्य जेनेत्तर बंधुओं में भी धर्म संस्कारों का बीजारोपण करेंगें। सम्भवतः जैन इतिहास में पहली बार होगा जब एक साथ विभिन्न सम्प्रदायों के 53 संत-सतियों का वर्षावास झाबुआ ज़िलें में होगा।

लोडिंग वाहन खाया पलटी कई यात्री घायल

घायल 1 घंटे तक तड़पते रहे, नेटवर्क नहीं मिलने से नहीं लग पाया कहीं भी फोन

माही की गूंज, खवासा।

ग्रामीण अंचलों में इन दिनों धड़ल्ले ओवरलोडिंग वाहन चल रहे हैं। सवारी वाहन तो ठीक लोडिंग वाहनों में भी भेड़-बकरियों की तरह सवारी भरकर सड़कों पर सरपट दौड़ाया जा रहा है। कार्रवाई नहीं होने के कारण धड़ल्ले से इनका उपयोग हो रहा है। लेकिन कभी भी पुलिस प्रशासन इन पर कार्रवाई करता दिखाई नहीं देता है। ना ही जिला परिवहन विभाग का इस ओर ध्यान हैं। जिसके कारण ग्रामीण अंचलों में भारी मात्रा में ओवरलोडिंग वाहन चलने से आम लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

पिछले दिनों तलवाड़ा में इसी तरह के तीन पहियां वाहन ओवरलोडिंग होने से पलटी खा गया था। जिसमें कई यात्री घायल हुए थे। तो वहीं बुधवार को एक और मामला ऐसा ही सामने आया है। बुधवार दोपहर 11 से 12 बजे के मध्य एक मैजिक वाहन एमपी 43 एल 3378 जो कि लोडिंग था मगर इसमें भेड़-बकरियों की तरह 20 से अधिक सवारियां बैठी हुई थी। यह सारी सवारी ग्राम मादलदा से खवासा बाजार करने के लिए आ रहे थे। रास्ते में गदवाली काड़ीकुआ के पास यह वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन के पलटी खाते ही उसमें बैठे सभी याली दुर्घटना का शिकार हो गए। घटना स्थल पर चीख पुकार का माहौल बन गया। खेतों में काम कर रहे लोग दौड़कर दुर्घटना में घायलों को बचाने पहुंचे। हालांकि इस दुर्घटना में कोई जनहानी नहीं हुई।

बताते हैं जहां हादसा हुआ है वहां मोबाइल का नेटवर्क ही नहीं आता है। जिसके चलते दुर्घटना की सूचना किसी भी आपातकाल सुविधा तक नही पहुंच पाई। रास्ते पर जाने वाले राहगीरों ने काफी मशक्कत के बाद खवासा चौकी पर सूचना दी। इसके बाद खवासा चौकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ के साथ प्रधान आरक्षक राजेंद्र रावत मौके पर पहुंचे। साथ ही तीन-चार एंबुलेंस भी घटना स्थल पर पहुंची। घटना स्थल से घायलों को उपचार के लिए पेटलावद व खवासा अस्पताल के लिए रवाना किया गया। जानकारी के अनुसार इस घटना में तीन गंभीर घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल भी पहुंचने की बात चल रही है।

प्रेक्षा पटवा के पारमार्थिक शिक्षण संस्था में प्रवेश से पूर्व समाजजनों द्वारा आयोजित किया मंगल भावना समारोह

आराध्य वीतराग भगवान के प्रति अटूट आस्था, गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण हो, ऐसा व्यक्ति संयम के पथ पर आगे बढ़ सकता है - साध्वी श्री उर्मिलाकुमारी जी

माही की गूंज ,पेटलावद।

संयम ही जीवन है, इस आदर्श वाक्य को सामने रखने वाला संयमी बन सकता है। जिसका मुमुक्षा भाव (मुक्ति की भावना) प्रबल हो, जिसमें आराध्य वीतराग भगवान के प्रति अटूट आस्था, गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण हो, ऐसा व्यक्ति संयम के पथ पर आगे बढ़ सकता है। आपने आगे फरमाया कि बलवान होता है संकल्पबल। संकल्प बल से सम्पन्न व्यक्ति को मार्ग की कठिनाइयां कभी डिगा नहीं सकती। साध्वीश्रीजी ने कहा कि एक वर्ष का दीक्षित संयमी मुनि (पांच महाव्रतधारी मुनि) उस सुख का अनुभव करता है जो सुख देवताओं और चक्रवर्ती को भी उपलब्ध नहीं होता है। इसके लिए आवश्यक है मन का अनुशासन, भावनाओं की पवित्रता और चिंतन की विधायकता। उक्त आशय के उदगार श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 11 वें अनुशास्ता युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री उर्मिलाकुमारी जी ने व्यक्त किए। गौरतलब है की प्रेक्षा पिता पंकज पी. पटवा के पारमार्थिक शिक्षण संस्था में प्रवेश से पूर्व समाजजनों द्वारा आयोजित मंगल भावना समारोह में साध्वीश्री ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर साध्वी श्री मृदुलयशाजी ने पारमार्थिक शिक्षण संस्था के 75 वर्षों के इतिहास का उल्लेख करते हुए निकटवर्ती चतुर्मास मे करणीय उपवास की बारी जप, तप आदि धर्म आराधना करने की प्रेरणा प्रदान की, साथ ही प्रेक्षा के प्रति मंगलभावनाएँ व्यक्त की।

साध्वी श्री ऋतुयशाजी, साध्वीश्री ज्ञानयशाजी ने सुमधुर गीत को प्रस्तुति दी

इस अवसर पर बहन प्रेक्षा ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं, तभी मुझे मानव जन्म पांचो इंद्रियों की प्राप्ति और तेरापंथ जैसा विलक्षण धर्मसंघ और ऐसे महान युगानुकूल गुरु की प्राप्ति हुई है। इन सबको प्राप्त कर मैं संयम जीवन स्वीकार कर इस जीवन को सार्थक बन सकती हूं, इसीलिए मैं अपने आपको गुरु चरणों में समर्पित कर गुरु निर्देश से परमार्थिक शिक्षण संस्था में अध्ययन और साधना के प्रशिक्षण के लिए प्रवेश कर रही हूँ।

बहन प्रेक्षा का हुआ सम्मान

तेरापंथ समाज के वरिष्ठ श्रावकों व पदाधिकारियों ने मिलकर संपूर्ण तेरापंथ समाज की ओर से अभिनंदन पत्र और पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी का सुंदर चित्र भेटकर बहन प्रेक्षा पटवा को सम्मानित किया। तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल, कन्यामंडल सहित, तेरापंथी महासभा, मालवा सभा सहित समाज की विभिन्न संस्थाओं, जैन समाज की संस्थाओं ने भी बहन को सम्मानित किया।

मंगल समारोह का हुआ शुभारंभ

इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम साध्वीवृन्द के नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद अनिता नागरसिंह चौहान एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री नागरसिंह चौहान, तेरापंथी महासभा अध्यक्ष मनसुख सेठिया के शुभकामना संदेश भी प्राप्त हुए।

इस अवसर पर तेरापंथ कन्यामंडल, नव्या मांडोत, ज्ञानशाला के बच्चे व प्रशिक्षिकाओं, तेरापंथी महासभा के आंचलिक प भा र ी निलेश रांका, मालवा सभा के अध्यक्ष संजय गांधी, तेरापंथी सभा के अध्यक्ष मनोज गादिया, महिला मंडल अध्यक्ष अनिता भंडारी, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष अभिषेक पटवा, कन्या मंडल संयोजिका प्रेक्षा मारू, पटवा परिवार की बहनों, तेरापंथ युवक परिषद निवृत्तमान अध्यक्ष सिद्धू कोठारी, निर्मलादेवी पटवा, पंकज पी. पटवा, सुषमा पटवा, मुदित पटवा, मनीष पटवा, पारसमल कोटडिया, श्री वर्धमान स्थाकवासी श्रावक संघ के निवृतमान अध्यक्ष अनोखीलाल मेहता, मूर्तिपूजक समाज के सुरेंद्र मेहता, महावीर समिति उपाध्यक्ष संजय मालवीय, ज्ञानशाला मुख्य व्यवस्थापिका पुष्पा पालरेचा, मुस्कान कोटड़िया, चिंकी पटवा, मनोज पीपाड़ा, सोना पीपाड़ा, पूनम कोठारी, जितेंद्र कोठारी, अणुव्रत समिति अध्यक्ष सचिन मूणत, विपिन भंडारी, वनिता पितलिया, अजित बम्बोरी, राजेश बम ने अपनी भावनाओ को प्रस्तुति दी। गौरतलब है कि परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी ने प्रेक्षा के वैराग्य भाव को देखते हुए 19 मई 2024 को परमार्थिक शिक्षण संस्था, (लाडनूँ) में प्रवेश की अनुमति प्रदान की थी। सोमवार को श्रद्धेय साध्वीवृंद से मंगल पाठ सुनकर स्नेहीजनों, परिवारजनों और समाजजनों की मंगल भावनाओं को ग्रहण कर प्रेक्षा ने अपने निवास स्थान से विदा लेकर से गुरु चरणों के दर्शनार्थ प्रस्थान किया।

संपादकीय

निशाने पर सेना

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में घात लगाकर किये गये आतंकी हमले में पांच सैनिकों का शहीद होना दुखद घटना है। हाल के दिनों में सेना व सुरक्षाबलों पर लगातार बढ़ते आतंकी हमलों ने देश की चिंता बढ़ाई है। हाल के लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में भारी मतदान को संकेत माना जा रहा था कि जम्मू-कश्मीर का जनमानस राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़कर लोकतंत्र पर भरोसा जता रहा है। यह भी कि राज्य में बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनाव के लिये अनुकूल माहौल बन रहा है। लेकिन हाल में लगातार बढ़ते हमलों ने हमारी चिंता बढ़ा दी है। यहां उल्लेखनीय है कि ये हमले केंद्र में तीसरी बार राजग सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद अचानक बढ़े हैं। बहरहाल आठ जुलाई को सुनियोजित ढंग से किये गए चरमपंथी हमले में एक जूनियर कमीशंड अधिकारी समेत पांच जवानों की मौत हुई है, वहीं पांच सैनिक घायल भी हुए हैं। बताते हैं आतंकवादियों ने घाटी में मारे गए बड़े आतंकी बुरहान वानी की बरसी पर यह हमला किया है। बहरहाल, कठुआ से करीब डेढ़ सौ किलोमीटर दूर बदनोटा में हुए घातक हमले ने आतंकियों के दुस्साहस को उजागर किया है। सवाल उठता है कि जब सशस्त्र सैनिक भी आतंकवादियों की जद में आ रहे हैं तो आम नागरिकों के लिये तो यह कितनी बड़ी चुनौती होगी? हालांकि, इस हमले की अभी तक किसी चरमपंथी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन आशंका है कि पाक अधिकृत कश्मीर से आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले संगठनों का इस घटना में हाथ हो सकता है। सेना इस इलाके में गहन सर्च अभियान चला रही है, लेकिन अभी घटना के सूत्र हाथ नहीं लगे हैं। दरअसल, घटनास्थल घने जंगलों से घिरा है और कठुआ से काफी दूर है। हाल के दिनों में आतंकवादियों ने जम्मू के इलाकों में आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। ग्यारह जून को भी कठुआ के एक गांव में हुई भिड़ंत में दो चरमपंथी तथा सीआरपीएफ का एक जवान मारा गया था।

उल्लेखनीय है कि आठ जुलाई 2016 को सुरक्षाबलों से हुई मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन कमांडर बुरहान वानी की मौत हो गई थी। जिसके बाद घाटी में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। बहरहाल, हाल के दिनों में बढ़ी आतंकवादी घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। दरअसल, केंद्र सरकार दावा करती रही है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद आतंकी हमलों व पत्थरबाजी की घटनाओं में कमी आई है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पांच जवानों को खोने पर दुख जताया है और घटना की निंदा की है। निस्संदेह, जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति की गंभीर समीक्षा की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि केंद्र में नई सरकार के लिये जनादेश आने के कुछ दिन बाद ही नौ जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर हुए चरमपंथियों के हमले में नौ लोग मारे गए थे और बड़ी संख्या में यात्री घायल हुए थे। दरअसल, आतंकियों ने सुनियोजित तरीके से बस के चालक को निशाने पर लिया था और चालक के नियंत्रण खोने के बाद बस खाई में जा गिरी थी। यहां ध्यान देने योग्य बात यह भी कि केंद्र में भाजपा नीत गठबंधन के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद हमलों में तेजी आई है। इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की गतिविधियां सीमा पार से मिलने वाली मदद के बिना संभव नहीं हैं। इसे पाकिस्तान की हताशा भी कहा जा सकता है। यह भी हो सकता है कि पाक हुक्मरान ये भ्रम पाले हों कि पूर्ण बहुमत न पाने के कारण दिल्ली में पहले जैसी सशक्त सरकार नहीं है, जो आतंकवाद का पहले की तरह सख्ती से मुकाबला कर सके। लेकिन पाकिस्तान को भारतीय लोकतंत्र की क्षमता, सक्षम तंत्र और सशक्त सेना की ताकत का अहसास होना चाहिए। लेकिन तय है कि आतंकवाद के इस नये छद्म युद्ध के मुकाबले के लिये केंद्र व सुरक्षा बलों को नये सिरे से रणनीति तैयार करनी होगी। हम अपने जवानों को यूं ही नहीं गवां सकते। फिलहाल पाकिस्तान को भी संदेश देने की जरूरत है कि वह आतंकवादियों को मदद देना बंद करे।

नेतृत्व की शालीनता से ही समृद्ध लोकतंत्र

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना जनतांत्रिक देश है। हमें किसी से जनतांत्रिक परंपराएं सीखने की आवश्यकता नहीं है। जनतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं हमारे देश में। लेकिन इसके बावजूद कई बार ऐसा लगता है कि हमारे नेता या तो जनतांत्रिक परंपराओं को निभा नहीं रहे या फिर उन परंपराओं को समझ नहीं रहे। अब इन्हीं चुनाव की बात करें- मतदाता ने अपना निर्णय स्पष्ट दिया है- एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये। इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं?

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने-सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है। दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी-खोटी सुनायी। दोनों सदनों में नेता-विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात? रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे। असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं। कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है। सदस्यों को निष्कासित करके ऐसे व्यवहार को उजागर तो किया जाता है, पर यह प्रक्रिया इस हद तक अतार्किक हो जाती है कि पिछली संसद में से सौ से अधिक सांसदों का निष्कासन किया गया! लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने यह निर्णय अपने विवेक से किया होगा, इस पर सवाल तो उठता ही है कि इस तरह की कार्रवाई को कितना जनतांत्रिक कहा जा सकता है?

सवाल यह भी उठता है कि आखिर सांसदों या विधायकों का सदन में, और सदन के बाहर भी, व्यवहार कैसा होना चाहिए?

इस संदर्भ में मुझे ब्रिटेन के नए और पिछले प्रधानमंत्री के भाषण याद आ रहे हैं। हाल के चुनाव में ब्रिटेन के मतदाता ने सरकार पलट दी है। कंजरवेटिव पार्टी का शासन मतदाता ने नकार दिया है और लेबर पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया गया है। भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मर्स ने इस अवसर पर जो भाषण दिए हैं उनमें ऐसा बहुत कुछ है जो बताता है कि राजनेताओं को एक-दूसरे के प्रति किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। अपनी हार को स्वीकार करते हुए ऋषि सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, वे इस हार का दायित्व लेते हैं और नयी सरकार को ब्रिटेन के हित में काम करने में हर उचित सहयोग देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि 'नये प्रधानमंत्री की सफलता हम सब की सफलता होगी। वे जन-हित के लिए काम करने वाले ऐसे उत्साहित व्यक्ति हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं।' ऐसा ही सम्मान प्रधानमंत्री चुने जाने वाले स्टार्मर्स ने भी ऋषि सुनक के प्रति व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं निवर्तमान प्रधानमंत्री को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देना चाहता हूं। वे हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे। इस नाते उन्हें कुछ कर पाने के लिए जो अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करनी पड़ी उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। हम उसकी प्रशंसा करते हैं। हम उनकी निष्ठा और मेहनत को भी स्वीकारते-समझते हैं।'

ये शब्द ब्रिटेन के उन दो राजनेताओं के हैं जो कल तक चुनावी-मैदान में एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े थे। ऐसा नहीं है कि वहां एक-दूसरे पर राजनेता आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाते। आरोप सब जगह लगते हैं। कुछ कटुता भी होती होगी। लेकिन नेतृत्व से जिस तरह की शालीनता की अपेक्षा होती है, कम से कम इस समय तो उनके व्यवहार में वह स्पष्ट दिख रही है।

ऐसा नहीं है कि हमारे यहां विभिन्न दलों के राजनेताओं के बीच पारस्परिक संबंध नहीं होते। ढेरों उदाहरण हैं इस आशय के जिनसे यह पता चलता है कि नीतिगत विरोध का अर्थ दुश्मनी नहीं होता। लेकिन ऐसे भी उदाहरण कम नहीं हैं जो बताते हैं कि या तो हमारे नेताओं में पारस्परिक संबंधों वाली परिपक्वता नहीं है या फिर यह कि नेताओं को लगता है कि संबंधों की मधुरता का कोई लक्षण दिख गया तो उनके राजनीतिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ जायेगा। चुनावी-सभाओं में तो नेताओं के विरोधी तेवर अक्सर दिख जाते हैं, और एक सीमा तक उनकी 'आवश्यकता' को समझा भी जा सकता है, लेकिन संसद और राज्यों की विधानसभाओं में जब राजनीतिक विरोध शालीनता की सीमाएं लांघता दिखता है तो हैरानी भी होती है और दुख भी होता है।

यह समझना आसान नहीं है कि देश के 15वें प्रधानमंत्री पहले प्रधानमंत्री को लेकर असहज क्यों दिखते हैं? यह समझना भी मुश्किल है कि संसद के सदनों में पीठासीन अधिकारी डंडा लेकर पढ़ाई करवाने वाले अध्यापक की तरह व्यवहार करना ज़रूरी क्यों समझते हैं। सदस्यों के कथित अनुचित व्यवहार को रेखांकित करने के लिए उन्हें जिस तरह डांटा जाता है वह दोनों ही पक्षों की कमज़ोरी उजागर करता है। विधायकों और सांसदों का कहा-किया देश की जनता के लिए एक उदाहरण होता है। सदन की मर्यादाओं का पालन हर हालत में होना चाहिए और इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि राजनीतिक विरोध का मतलब कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं होती। जनता अपने प्रतिनिधि चुनकर सदनों में भेजती है, जिनसे यह अपेक्षा रहती है कि वह जन-हित के कार्य करेंगे। उनके नाटकीय भाषण और अनावश्यक उत्तेजना उनकी ताकत को नहीं, उनकी कमज़ोरी को ही सामने लाते हैं।

विश्वनाथ सचदेव

राजनीतिक विरोधियों को इस बात को हमेशा ध्यान में रखना होगा कि एक-दूसरे का सम्मान करके ही वे व्यवहार की शालीनता को बनाये रख सकते हैं। बशीर बद्र का एक शे'र है 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन ये गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों।' मुझे लगता है हमारे राजनेताओं को यह बात याद रखने की आवश्यकता है। एक बात और, जो जितना बड़ा नेता है, उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही बड़ी होती हैं। हमारे नेताओं को इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही होगा। सवाल उनकी कथित शान का नहीं, उन मतदाताओं की इज्जत का है जिन्होंने उन नेताओं को अपना प्रतिनिधि चुना है।

बहस के दौरान अपने-अपने मत को मजबूती से रखने का मतलब एक-दूसरे को भला-बुरा कहना नहीं होता। और अपनी बात को रखने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे की बात सामने आ ही न सके। वाल्तेयर ने कहा था, 'हो सकता है मैं आपकी बात से सहमत न होऊं, पर अपनी बात रखने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपनी अंतिम सांस तक करूंगा।' महान दार्शनिक का यह वाक्य हमारे राजनेताओं को हमेशा याद रहना चाहिएद्द तभी वे जनतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप आचरण कर पाएंगे। तर्कातीत विरोध अंधा होता है, हमें विवेकपूर्ण विरोध को अपनी राजनीति का 'हथियार' बनाना होगा।

सक्रिय जीवनशैली से समृद्धि की राह

आजादी के 77 वर्षों के बाद भी भारत के लोग आज अपने लिए ऐसी उद्यम नीति की तलाश में हैं जो न केवल उन्हें सक्रिय रख सके बल्कि वे देश को विकास पथ पर ले जाने में भी अपने आप को सफल मान सकें। देश में उपलब्धि और सफलता के उत्सव होते रहते हैं। अगर पीछे मुड़कर देखें तो उसमें बहुत-सी कमियां नजर आती हैं। बेकारी को दूर करने का संकल्प अनुकम्पा के उदार वितरण में नजर आता है। महंगाई का नियंत्रण एक ऐसा छद्म लगने लगता है जिसमें आंकड़े तो कहते हैं कि थोक ही नहीं बल्कि खुदरा सूचकांक भी नीचे गिर गया। खाद्य वस्तुओं की बाजार कीमतें आकाश छूती रहती हैं।

सुरेश सेठ

देश आश्वस्त हो चुका है कि वह दो-तीन साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन सकता है। वर्ष 2047 को आजादी का शतकीय महोत्सव मनाते हुए हम भारत को फिर से वैश्विक ताकत कह सकेंगे। उम्मीद करते हैं कि उस समय हम दुनिया में आर्थिक सामर्थ्य के लिहाज से मजबूत हो जाएंगे। लेकिन ये तिलिस्मी बातें जिनकी चकाचौंध में हम अपने आप को दुनिया की किसी भी प्रमुख शक्ति से कम नहीं मानते। लेकिन जितनी उद्यमहीनता और दृष्टिविहीनता भारत के आम लोग महसूस करते हैं, उतनी शायद किसी भी अन्य देश में नहीं है। यह निष्कर्ष लैंसेट ग्लोबल हैल्थ जर्नल के एक अध्ययन में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन बताता है कि हमारे देश में 50 फीसदी लोग शारीरिक सक्रियता से भागते हैं। अगर यूं ही उद्यमहीनता और उदार रेवड़ियां बांटने का माहौल चलता रहा तो इस अध्ययन के अनुसार 2030 तक भारत में शारीरिक सक्रियता से भागने वालों का आंकड़ा 60 फीसदी तक पहुंचने की संभावना है।

दुनिया में लोगों की औसत उम्र बढ़ रही है। भारत में कुपोषण और पर्याप्त रोजी-रोटी के अभाव में हम स्वास्थ्य के न्यूनतम मापदंडों पर भी खरे नहीं उतर रहे हैं। यह बात विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कही है। लोगों के बीच एक ऐसी संस्कृति पनप रही है जो यह कहती है कि मुफ्त में जो हाथ लग सके, वही बेहतर है। जब बैंक खातों में बिना श्रम किए पैसे आ जाने के नेताई वादे हों तो भला लोग परिश्रम क्यों करें? किसी उद्यम नीति की तलाश क्यों करें? आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2000 में 22 फीसदी वयस्क शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं थे। 2010 में यह आंकड़ा बढ़कर 34 फीसदी हो गया और अब 50 फीसदी है। यह औसत महिलाओं में 57 फीसदी और पुरुषों में 42 फीसदी लोग सक्रिय नहीं हैं। सवाल उठता है कि महिलाएं तो घर को संभालती हैं, इतनी मेहनत करती हैं, उनको निष्क्रिय कहेंगे? नौजवान जवान होते ही बाप-दादा के साथ खेतों में या दुकानों में काम करने लगते हैं, क्या इनको निष्क्रिय कहेंगे? जी हां, जो मेहनत देश की सकल राष्ट्रीय आय में कोई योगदान नहीं देती उसे निष्क्रिय ही कहा जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन यह कहता है कि अगर कोई वयस्क प्रति सप्ताह 150 मिनट की मध्यम या 75 मिनट की तीव्रता गति वाली शारीरिक गतिविधि नहीं करता, तो वह निष्क्रिय है। ऐसी इस युवा देश की आधी जनसंख्या है। इन आंकड़ों के बल पर सोचना कितना अजीब लगता है।

आंकड़े कहते हैं कि भारतीय महिलाओं की निष्क्रियता बंगलादेश, भूटान और नेपाल से भी निचले स्तर पर है। इस निष्क्रियता के चलते उनमें कई गंभीर बीमारियों का विस्तार होता जाता है। सरकार ने चाहे आयुष्मान योजना का लाभ पूरी आबादी तक कर दिया है लेकिन बीमारों का अनुभव है कि निजी क्षेत्र के अस्पताल उन्हें दाखिल नहीं करते या उनकी परिचर्या नहीं करते क्योंकि वे कहते हैं कि सरकार से उन्हें उचित समय पर भुगतान नहीं मिलता।

देश में तरक्की के दावों के साथ-साथ एक शार्टकट संस्कृति और कोरे उपभोक्तावाद को भी बढ़ावा मिला है। शार्टकट संस्कृति में नीति, आदर्श और नैतिकता पुराने जमाने की बातें हो गई हैं। ऐसी आरामदायक जीवनशैली जिसमें काम और मेहनत कम और आराम ज्यादा हो। लैंसेट के ये निष्कर्ष एक चेतावनी देते हैं, समाज के मार्गदर्शकों को, सत्ता के कर्णधारों को कि उदारवाद की नीतियों से, अनुकम्पा की बरसात से किसी भी देश के आत्मसम्मान या आत्मगौरव में वृद्धि नहीं होती। जरूरत इसमें सुधार की है।

आज मनरेगा की योजना को साल में सौ दिन से बढ़ाकर 200 दिन कर देने की बात तो चलती है लेकिन इस मनरेगा द्वारा कौन से लक्ष्य सिद्ध किए जाएंगे, निर्माण की कौन-सी मंजिलों तक पहुंचा जाएगा? आज भारत का युवा दिग्भ्रमित होकर देश से पलायन का रास्ता पकड़ता है। नशों के जाल में फंस जाता है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में जिन देशों में सबसे अधिक मदिरापान होता है, उनमें से एक भारत भी है। यह सच काफी हैरान कर देने वाला है। इस समय जरूरत है जीवनशैली को बदल कर, जीवन आदर्शों के प्रति पुनः समर्पित होकर एक नया समाज रचने की, जो अपने कर्तव्य पथ पर निरंतर अग्रसर होगा और मंजिल के शार्टकट की तलाश में अंधी गलियों में भटक जाने की व्यथा में नहीं डोलता रहेगा।

तर्कशील सोच विकसित करे समाज में

क्षमा शर्मा

इन दिनों एक बाबा बहुत चर्चा में है। उसके द्वारा आयोजित सत्संग में एक सौ इक्कीस लोगों की जान जा चुकी है। न जाने कितने घायल हुए हैं। मरने वालों में स्त्रियां और बच्चे भी हैं। हमें बुरा तो लगता है, जब पश्चिम के लोग भारत को चमत्कार और अंधविश्वासों का देश कहते हैं, मगर किसी हद तक सच भी है। हालांकि, पश्चिम के लोग भी कोई कम नहीं, जहां बहुत से धूर्त चमत्कारी पानी पिलाकर लोगों को ठीक करने का दावा करते हैं। अपने यहां भी ऐसा होता है।

भारत में ऐसे असंख्य बाबा हैं, जिनके असंख्य भक्त भी हैं। बड़े-बड़े आश्रम हैं। सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं। इनमें से बहुत से गम्भीर अपराधों में पकड़े भी गए हैं, मगर एक पकड़ा जाता है तो दस प्रकट हो जाते हैं।

लोग कह रहे हैं कि आखिर ऐसे बाबाओं के फेर में जनता आती ही क्यों है। इसका एक बड़ा कारण तो ऐसे बाबाओं का प्रभामंडल इस तरह से गढ़ा जाता है कि लोग इनके जाल में फंस जाते हैं। ये लोगों को परेशानियों से मुक्ति का भ्रम देते हैं। आखिर बीमारी की अवस्था में परेशान लोग डाक्टरों के पास क्यों नहीं जाते। इसका बड़ा कारण है। अपने देश में चिकित्सा सुविधाओं का घोर अभाव। दूर-दराज के गांवों को तो छोड़िए, छोटे शहरों तक में ऐसे अस्पताल नहीं हैं, जो ठीक-ठाक इलाज कर सकें। जो हैं उनमें से बहुत से ऐसे हैं जो मरीज और उसके परिजनों को सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझते हैं। यही कारण है कि बड़े शहरों में जो प्रसिद्ध अस्पताल हैं, वहां भीड़ बढ़ती जाती है और डाक्टर ओवर वर्कड होते हैं। इसके अलावा लोगों की आस्था भी होती है कि वे किसी बाबा की शरण में जाएंगे तो उसके हाथ लगाते ही बीमार व्यक्ति ठीक हो जाएगा।

वैसे अपने देश में देवताओं की भी कोई कमी नहीं है। तैंतीस कोटि देवता बताए जाते हैं। बहुत से लोकल गाड्र्स भी हैं। वे भी लोगों द्वारा पूजे जाते हैं। तब हर रोज बनते इन बाबाओं का क्या काम। लेकिन अक्सर ये बाबा भी अपने को किसी भगवान का अवतार घोषित कर देते हैं।

इस संदर्भ में बचपन की एक घटना याद आती है। बड़े भाई को बचपन से ही पोलियो था। मां कहती थी कि उनके दोनों पैरों में पोलियो हुआ था। एक वैद्य ने उनका एक पांव का पोलियो ठीक कर दिया था। लेकिन दूसरे पैर का इलाज करते वक्त, उसे दादा जी का नाम पता चला। दादा जी ने गणित के इम्तिहान में उसके आग्रह के बावजूद उसके बेटे को पास नहीं किया था। वैद्य ने दुश्मनी निभाई और भाई का इलाज नहीं किया। खैर, मां और पिता जी के प्रयत्न से बड़े भाई बहुत उच्च शिक्षित हुए और कालेज में पढ़ाने लगे। एक बार आगरा में खबर फैली कि पास के गांव में एक बाबा आने वाले हैं। उनके हाथ लगाते ही बड़े से बड़ा रोग ठीक हो जाता है। मां उन दिनों वहीं थीं। वह भाई के पीछे पड़ गईं। भाई ने बहुत विरोध किया। कहा कि उन्हें इन चीजों में कतई विश्वास नहीं है। मगर मां नहीं मानी। उसने खाना-पीना छोड़ दिया। अंत में भाई को उनकी

जिद के आगे झुकना पड़ा। मां के साथ भाई और तीन-चार साल की यह लेखिका भी वहां पहुंचे जहां बाबा को आना था। वहां बेहद भीड़ थी। बाबा के लिए चार बांसों पर खटोला लगाकर एक मंच बनाया गया था। भीड़ शाम तक इंतजार करती रही मगर बाबा नहीं आया। सब निराश होकर लौट गए। कुछ दिन बाद खबर आई कि वह बाबा स्मगलिंग के केस में पकड़ा गया था।

यह भी कितने अफसोस की बात है कि बहुत से ऐसे बाबाओं को मीडिया का एक बड़ा हिस्सा खूब दिखाता है। उसका मानना है कि चूंकि बड़ी संख्या में लोग इनके अनुयायी होते हैं, इसलिए उनके चैनल की लोकप्रियता बढ़ती है। यही हाल राजनेताओं का भी है। वे अक्सर इन बाबाओं के खिलाफ इसी डर से नहीं बोलते कि इनके अनुयायी उन्हें वोट नहीं देंगे। हाथरस वाले बाबा के प्रसंग में भी यही सब हो रहा है। सिवाय दलितनेत्री मायावती के शायद ही कोई बोला है। यहां यह भी बताना समीचीन है कि यह घटना हाथरस के पास के शहर सिकंदरा राऊ के पास हुई है। लेकिन चैनल्स और अखबार इसे हाथरस बता रहे हैं। कुछ साल पहले जिस बच्ची के संदर्भ में हाथरस का जिक्र आया था, वह जगह भी हाथरस से लगभग बारह किलोमीटर दूर चंदपा थी। लेकिन दोनों प्रसंगों में नाम हाथरस का बदनाम हो रहा है।

इन दिनों हम आइडेंटिटी पॉलिटिक्स के कारण एक ऐसे दौर में हैं, जहां उंगली अक्सर दूसरे की तरफ उठती है। अपनी जाति-धर्म के अपराधियों के समर्थन में भी लोग उठ खड़े होते हैं। कौन ज्यादा बड़ा अपराधी है और किस जाति-धर्म का है, इसकी प्रतियोगिता होने लगती है।

कहा जाता है कि शिक्षा ऐसे पाखंडों से दूर करती है। लेकिन यह भी आंशिक सच ही है। बहुत से उच्च शिक्षित लोग भी ऐसे चमत्कारों में विश्वास करते देखे जाते हैं। बल्कि उच्च पदस्थ लोगों में गुरु बनाने का भी चलन बढ़ गया है।

सिकंदरा राऊ की घटना के आलोचक यह भी कह रहे हैं कि आखिर औरतें क्यों इन पर विश्वास कर लेती हैं। स्त्रियां क्या करें। अपनी तकलीफों के हरण के लिए उन्हें कोई न कोई सहारा तो चाहिए। गरीबों के पास पैसे तो होते नहीं, इसलिए वे चमत्कार की शरण में जाते हैं।

एक समय में मीडिया के बारे में कहा जाता था कि ज्यों-ज्यों मीडिया बढ़ेगा, त्यों-त्यों लोग शिक्षित होंगे। वे अंधविश्वासों से निजात पाएंगे। मगर नब्बे के दशक के बाद जब से अपने यहां मीडिया में मार्केटिंग का प्रवेश हुआ, तब से मीडिया के एक वर्ग ने यह कहना शुरू किया कि उनका काम समाज सुधार करना नहीं है, व्यापार करना और मुनाफा कमाना है। यह लगभग फिल्म बनाने वालों का तर्क था, जो किसी फूहड़ फिल्म तक के बचाव में यह कहते पाए जाते हैं कि हम तो वही बनाते हैं जो लोग देखना चाहते हैं। अगर हमारी फिल्म पसंद नहीं, तो लोग न देखें। यही बात चैनल्स के बारे में भी लोग कहते हैं कि अगर किसी चैनल के कार्यक्रम से आप सहमत नहीं तो चैनल बदल दीजिए। अब लगता है कि जिस दूरदर्शन को इडियट बाक्स कहकर बहुत से लोग अपने को बुद्धिमान दिखाते थे, वह कहीं ज्यादा अच्छा था। वहां किसी अंधविश्वास को फैलाने वाले कार्यक्रम की शायद ही कोई जगह थी।

सवाल यही है कि जिनके हाथ में चाहे राजनीति की सत्ता है, मीडिया की सत्ता है, धन की सत्ता है, वे अपने-अपने लालच से कैसे बाज आएं। किसी को टीआरपी की चिंता है, किसी को वोट की, किसी को व्यापार के घटने की। ऐसे में आम जनता को कौन समझाए कि भाई ऐसे चमत्कार न होते हैं, न कोई कर सकता है। चमत्कार दिखाकर ऐसे पाखंडी रातोंरात अमीर जरूर बन सकते हैं।

लोगों को लूट रही सेक्सटॉर्शन गैंग का पुलिस ने किया पर्दाफास

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के मेनपुरिया गांव में दबिश देकर सेक्सटॉर्शन गैंग का पर्दाफाश पुलिस ने किया है। गैंग दो साल से लोगों को लूट रही थी। इस गैंग के तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। इसमें दो महिला है और एक नाबालिग, दो की तलाश जारी है।

यह गैंग लगभग दो साल से सक्रिय थी और बार-बार अपना स्थान बदल लेते थे। इस चक्कर में पुलिस की पकड़ से दूर थे। दबिश वाले मकान से तीन लाख रुपये मिले हैं। पुलिस का मानना है कि गैंग अब तक ब्लैकमेलिंग कर 30 लाख से ज्यादा रुपये वसूल चुकी थी। आठ से 10 मामलों की जानकारी भी सामने आई है। मामले में पुलिस ने दो महिलाओं, एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। अभी दो आरोपित फरार हैं। दो आरोपित मेनपुरिया, दो आलोट जबकि एक बड़ौद का रहने वाला है।

नई आबादी टीआई वरुण तिवारी ने बताया कि सेक्सटॉर्शन के जरिए ब्लैकमेलिंग व रुपये की वसूली से जुड़ी गंभीर शिकायतें पुलिस तक पहुंची थी। केस की गंभीरता देख एसपी अनुराग सुजानिया ने विशेष टीम का गठन किया। नई आबादी टीआई वरुण तिवारी पीड़ित पक्षों के माध्यम से पूरे रैकेट तक पहुंचे। पुलिस की दबिश के बाद परतें हटती गईं। पुलिस ने मेनपुरिया में रहने वाली महिला, उसकी सहयोगी आलोट क्षेत्र की महिला, एक नाबालिग को हिरासत में लिया। साथ ही केस में फरार आलोट के शैतान सिंह पुत्र भगवान सिंह व राजेश पुत्र मदन टेलर निवासी बड़ौद भी आरोपी बने हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने तीन साल में 30 लाख रुपये तक वसूलना बताया। अब पुलिस इनका पुराना रिकॉर्ड खंगाल रही है। दोनों फरार आरोपितों की तलाश जारी है।

कॉल कर बुलाते थे मंदसौर

महिलाओं ने स्थानीय लोगों के अलावा अन्य लोगों को भी शिकार बनाया। कॉल के बाद संबंधित को बातचीत के बहाने मंदसौर बुलाते और रुपये नहीं होने पर बंधक बना लेते थे। वीडियो व स्क्रीन शॉट बताकर रुपये की डिमांड करते थे। बंधक बने व्यक्तियों से परिजनों की बात कराते और महिलाओं के जरिए झूठी एफआईआर कराने का दबाव बनाकर यूपीआई आईडी से भी लेन-देन करते। कुछ मौकों पर नकदी की बात आती तो कभी सांवलियाजी तो कभी पशुपतिनाथ मंदिर के पास की लोकेशन बताते थे। कुछ मामलों में इन्होंने युवकों को 2 से 3 दिनों तक बंधक बना रखा था।

ये होता है सेक्सटॉर्शन, आजीवन कारावास तक की सजा संभव

सेक्सटॉर्शन यौन शोषण से जुड़ा ब्लेकमैलिंग का एक रूप है। इसमें किसी व्यक्ति की मांगें पूरी नहीं होने पर उसकी अंतरंग तस्वीरें या वीडियो ऑनलाइन शेयर या लीक करने की धमकी दी जाती है। एवज में संबंधित या स्वजनों से रुपये मांगे जाते हैं। मामले में नए कानून के तहत आरोपितों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

आरोपितों का पुराना रिकॉर्ड खंगाला जा रहा

मामले में टीआई वरुण तिवारी ने बताया कि, शिकायतों की जांच के बाद मेनपुरिया में दबिश दी गई। वहां मकान से 3 लाख रुपये मिले हैं। आरोपित लोगों को घर के पीछे बाड़े में बंधक बनाकर रखते थे और स्वजनों से उनकी बात कराकर रुपये मंगाते थे। फोन-पे तक तक इस्तेमाल होता था। आरोपित महिलाओं के मोबाइल में अश्लील वीडियो की 40 क्लिपिंग मिली हैं। ऐसी जानकारी है कि अब तक करीब 30 लाख रुपये ऐठ चुके हैं। प्रारंभिक पूछताछ में 8 से 10 मामलों का खुलासा हुआ है। 3 सालों से सक्रिय थे। सभी का पुराना रिकार्ड खंगाला जा रहा है। गैंग के 5 आरोपितों में 2 महिलाएं व एक नाबालिग मौके से मिल गए हैं। 2 आरोपित फरार हैं।

स्कूल में हुई कहासुनी पर गुंडे बने मासूम

माही की गूंज, मंदसौर।

आज के समय में सोशल मीडिया का युवाओं पर काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को मासूम कहा जा सकता है. उन्हें दुनियादारी की ज्यादा समझ नहीं होती। लेकिन जैसे-जैसे उनकी लाइफ में सोशल मीडिया का एक्सपोजर बढ़ रहा है, उसी के साथ ये मासूमियत खत्म होती जा रही है। मंदसौर में स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के बीच हुई कहासुनी का अंजाम तो कुछ ऐसी ही कहानी बयान कर रहा है।

मंदसौर में नाबालिक बच्चों द्वारा नाबालिक बच्चों को बांधकर पीटने का मामला सामने आया है। इसमें कुछ बच्चों ने पहले नाबालिग बच्चों को बेल्ट से पीटा और पीटकर इसकी स्टोरी इंस्टाग्राम पर भी वायरल कर दी। वीडियो मंदसौर के पीपलियामंडी थाना क्षेत्र का है, जहां चार नाबालिग लड़कों ने दो नाबालिग लड़कों के साथ बेल्ट से मारपीट की। इतना ही नहीं मारने वालों में से एक बच्चे ने मारपीट का वीडियो बना कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर कर दिया।

पोल से बांधकर की पिटाई

वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ बच्चों ने एक नाबालिग को बिजली पोल पर रस्सी से हाथ बांध खड़ा कर रखा है. वहीं एक नाबालिग को बेल्ट से मारा जा रहा है। दरअसल बच्चों की स्कूल में कहासुनी हो गई थी। इसके बाद बच्चों ने बदला लेने के लिए दूसरे अन्य बच्चों की पिटाई की और इसका वीडियो बनाया। जानकारी के अनुसार चार नाबालिग बालकों द्वारा इस कृत्य को अंजाम दिया गया।

बना लिया वीडियो

मारपीट करने के बाद एक नाबालिग ने इसका वीडियो सोशल साइट इंस्टाग्राम पर स्टोरी के तौर पर लगाया। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद नाबालिग ने स्टोरी को तुरंत हटा लिया। मारपीट करने वाले 6 लोगो के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जिसमे 4 नाबालिग भी शामिल हैं। इनके खिलाफ एस्ट्रोसिटी एक्ट के तहत मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

प्राइवेट स्कूल पर प्रशासन का छापा

माही की गूंज, रतलाम।

प्राइवेट स्कूल में प्रशासन ने छापा मार कर करीब 5 घंटे तक कार्रवाई की। रतलाम के एक निजी स्कूल में प्रशासन ने रविवार को छापा मारा।यहां पेरेंट्स ने स्कूल परिसर से मनमानी कीमतों पर किताबें और स्कूल यूनिफॉर्म बेचने की शिकायत की थी। इस मामले में डेलनपुर स्थित चेतन्य टेक्नो स्कूल का नाम आया है।

अफसरों ने इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए स्कूल में छापा मारा, और दुकान लगाकर बुक्स और यूनिफॉर्म की बिक्री को रोक दिया। स्कूल के प्रधानाध्यापक समेत अन्य कर्मचारी इस दौरान मौजूद नहीं थे।

छापा मारे जाने के बाद सुबह 11 बजे तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय, डीईओ केसी शर्मा, बीआरसी विवेक नागर समेत अन्य अधिकारी पहुंचे और स्कूल की विभिन्न क्लासरूम्स में जांच की। इसके बाद उन्होंने अवैध बिक्री बंद करने के निर्देश दिए और कार्रवाई की प्रक्रिया शाम तक चलाई गई।

स्कूल के जिम्मेदार कोई भी इस दौरान पहुंचने नहीं आये। रिसेप्शन पर केवल एक कर्मचारी के अलावा तीन से चार अन्य कर्मचारी मौजूद थे। स्कूल के कर्मचारियों को प्रिंसिपल को बुलाने के लिए कहा गया था।

कर्मचारियों ने प्रिंसिपल को बुलाने के लिए कॉल भी किया, लेकिन कार्रवाई चलने तक कोई जिम्मेदार नहीं पहुंचा। जब बुक्स जब्त की गईं, उनमें से एनसीईआरटी की कोई बुक नहीं मिली। सभी किताबें महंगी थीं। तहसीलदार ऋषभ ठाकुर ने बताया कि सूचना मिली थी कि स्कूल के माध्यम से अवैध बिक्री हो रही है। इसे विरोध करते हुए अभिभावक स्वेच्छा से बाजार से खरीद सकते हैं।

स्कूल द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन भुगतान के माध्यम से पेरेंट्स से रुपए लेकर किताबें और यूनिफॉर्म दिए जा रहे हैं। इसकी पुष्टि भी हो चुकी है। किताबें और यूनिफॉर्म जब्त करके इन्हें जिला शिक्षा अधिकारी को हैंड ओवर किया गया है। इस पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी केसी शर्मा ने बताया कि स्कूल में एक दुकान लगाकर बुक्स, यूनिफॉर्म, स्वेटर, ब्लेजर और अन्य सामग्री बेची जा रही थी। अभिभावकों को बाजार से इन सामग्रियों को आसानी से खरीदने की सुविधा मिलनी चाहिए, और इसे नियमानुसार व्यवस्थित किया जाना चाहिए। यदि स्कूल प्रबंधन ने नियमों का उल्लंघन किया है, तो उस पर दो लाख रुपए का जुर्माना लग सकता है।

अभी तक नहीं हुई मूसलाधार बारिश, पेयजल की समस्या जस की तस

माही की गूंज, मंदसौर।

नगरपालिका जलकार्य समिति की महत्वपूर्ण बैठक रामघाट परिसर स्थित नवीन फिल्टर प्लांट पर आयोजित हुई। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं जलकार्य समिति के सभापति नीलूश जैन की गरिमामय उपस्थिति में उन्हें सम्मानित किया गया। इस बैठक में मंदसौर नगर व जिले में पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण शिवना नदी में पानी की आवक नहीं होने की समीक्षा की गई।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर एवं सभापति जैन ने जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक मंदसौर नगर व उसके आसपास के क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण, जो वितरण की व्यवस्था है, उसकी समीक्षा की। नपा के कर्मचारी निसार मोहम्मद ने बैठक में कहा कि शिवना नदी के ऊपरी क्षेत्रों में अभी भी पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। इसका कारण यह है कि शिवना नदियों के सभी जल स्रोतों में काफी कम पानी है। ऐसी स्थिति में भी नपा परिषद एक दिन छोड़कर लगभग एक घंटा वितरण कर रही है। नापा के कालाभाटा, रामघाट जल स्त्रोतों में वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार पानी की अभी तक पाई जाती है।

बैठक में व्यापक विचार विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि 20 जुलाई तक नगरपालिका वर्तमान समय में जो प्रबंधक वितरण की व्यवस्था करेगी, उसे बनाये रखेगी। यदि 20 जुलाई तक पर्याप्त वर्षा नहीं होती है तथा शिवना नदी के रामघाट व कालाभाटा बांध में पर्याप्त जल वर्षा का नहीं आता है तो 20 जुलाई को पुनः समीक्षा की जाएगी तथा जो भी निर्णय उचित होगा लिया जाएगा।

नापा जलप्रदा शाखा लिपिक मो. शाहिद ने बताया कि नगरपालिका को चम्बल परियोजना योजना से अभी पानी उपलब्ध हो रहा है। 18 चमडी पानी प्रतिदिन चम्बल के कोलवी से आ रहा है। नगरपालिका ने आकस्मिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए 9 दंडनीय दायित्व अदा किए हैं।

बैठक में नपा अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने निर्देश दिए कि आकस्मिक स्थिति में गतिविधियों की प्रत्येक स्थिति कहां से की जा सकती है नपा के कर्मचारियों की कार्य योजना बनाएं तथा उसे अगली बैठक में रखें। यदि अधिगृहित कुओं के अतिरिक्त अन्य कुओं से भी पानी लेने की जरूरत पड़ती है, तो पर्याप्त पानी की प्राप्ति वाले अन्य कुओं की जानकारी भी तैयार रखें। जहां भी पानी की समस्या होती है, वहां तत्काल पाइप लाइन और अन्य जरूरी कार्य किए जाते हैं। लाइनमेन जिस प्रकार मेहनत कर रहे है उसी प्रकार अपना कर्तव्य निभाते रहे। बैठक में धर्मेश राव, शरीफ पठान, विजय परमार, सोहनलाल, नरेंद्र खमेसरा, बद्री भावसार सहित कई कर्मचारी भी उपस्थित थे।

2 घण्टे तक चला एनएसयूआई का प्रदर्शन

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। एनएसयूआई अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सेजावता ने बताया कि, कॉमर्स कॉलेज के 35-40 छात्रों को सत्र 2022-23 और सत्र 2023-24 के लिए आवास सहायता राशि अब तक नहीं मिली है। छात्रों ने कई बार आवास सहायता फॉर्म के संबंध में शिकायत की, लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।

इससे आक्रोशित होकर एनएसयूआई ने धरना प्रदर्शन किया। सहायक संचालक आदिवासी विभाग प्रीति जैन ने छात्रों की समस्याएं सुनीं, लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया। इस पर छात्र नेता भड़क गए और विभाग की लापरवाही को उजागर करते हुए धरने पर बैठ गए।

2 घंटे तक चला छात्रों का प्रदर्शन

करीब दो घंटे तक चले इस धरने के दौरान पुलिस प्रशासन ने हस्तक्षेप किया और तहसीलदार ऋषभ ठाकुर को बुलाकर मामला शांत करवाया। तहसीलदार ने छात्रों को आश्वासन दिया कि 10 दिन के अंदर उनकी समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा।

छात्रों ने जाहिर की नाराजगी

छात्रों को आवास सहायता योजना में ऑनलाइन आवेदन करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। शासकीय स्वामी विवेकानंद वाणिज्य महाविद्यालय के नियमित छात्रों के आवेदन पत्र एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर ÷द इंस्टीट्यूट एड्रेस हैज़ नॉट बीन अपडेटेड÷ का मेसेज दिखा रहे हैं। यह समस्या सत्र 2022-23 से जारी है और अब सत्र 2023-24 में भी यही समस्या हो रही है, जिससे करीब 35 छात्रों के फॉर्म नहीं भरे जा रहे हैं।

अब तक नहीं निकला हल- एनएसयूआई

छात्रों ने कई बार कॉलेज प्राचार्य को इस समस्या से अवगत कराया, जिन्होंने उन्हें आदिवासी विकास विभाग में जाने को कहा। विभाग से सही उत्तर न मिलने पर छात्रों को बार-बार कॉलेज और विभाग के चक्कर लगाने पड़े, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

सीएम हेल्पलाइन में भी की शिकायत

परेशान होकर छात्रों ने सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की, लेकिन वहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी। उल्टा विभाग की तरफ से छात्रों पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। छात्र नेता देवेंद्र सिंह सेजावता और मानवेंद्र सिंह लुनेरा ने तहसीलदार से कहा कि उक्त समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए... नहीं तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विभाग की ही होगी।

परचून की दुकान का ताला तोड़ नगदी-सामान ले गए चोर

माही की गूंज, शाजापुर।

कालपी कोतवाली क्षेत्र के शाजापुर में चोरों ने परचून की दुकान का ताला तोड़ सामान के साथ नगदी चोरी ले गए। पीड़ित ने शिकायत पुलिस से की है लेकिन मामला दर्ज नहीं किया। ज्ञान भारती पुलिस चौकी के क्षेत्र शाजापुर के बृजमोहन सिंह प्राईमरी विद्यालय के सामने परचून की दुकान चलाते हैं, शनिवार रात साढे नौ बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार भोर पहर दुकान के सामने रहने वाले अलखराम ने फोन कर जानकारी दी कि दुकान का दरवाजा खुला है, वह मौके पर आया तो देखा 30 हजार की नगदी के साथ बड़ी मात्रा में सामान गायब है, जिससे उसकी दुकान खाली हो गई है और इस चोरी की वारदात में उसका लगभग दो लाख का नुकसान हुआ है। पीड़ित दुकानदार ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की है जहां पर उसे जाँचकर कार्यवाही का आश्वासन दिया गया है।

मुहर्रम पर बड़े साहब का हुआ दीदार, दुलदुल साहब को चौकी में किया विराजित

माही की गूंज, शाजापुर।

रसूल-ए-पाक के नवासों की शहादत का पर्व मुहर्रम चांद दिखाई देने के बाद शुरू हो गया है। कर्बला के शहीदों की याद में हर आंख नम हो गई। रविवार को चांद दिखने के बाद से मुहर्रम की शुरुआत हुई और मुस्लिमजन शोहदा-ए-कर्बला के जिक्र में मशगुल हो गए।

मुहर्रम का आगाज होते ही मुस्लिम समाजजनों ने दुलदुल, ताजियों को सजाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसी कड़ी में मुहर्रम की पहली तारीख पर सोमवार को एशिया के सबसे बड़े दुलदुल को मुस्लिमजनों ने इमामबाड़ा से निकालकर छोटा चौक स्थित चौकी पर विराजित किया।

मुहर्रम पर्व को लेकर समाजजनों ने विभिन्न तैयारियां की हैं। नगर के विभिन्न अखाड़ों द्वारा भी नौबत-ताशा बजाने की रिहर्सल के साथ अखाड़ा खेलने और छबील पिलाने का दौर भी शुरू हो गया है। मुहर्रम पर्व के शुरू होने के साथ ही जगह-जगह मजलीस और छबील पिलाने का दौर भी शुरू हो गया है। रात को मजलीस में शोहदा-ए-कर्बला को याद कर फातेहा पढ़ी जा रही है। घरों पर दूध और शरबत की छबील पिलाई जा रही है। साथ ही दलीम खिचड़ा खिलाने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। मुहर्रम पर्व पर बांटी जाने वाली विशेष मिठाई रेवड़ी की दुकानें भी सज गई हैं। हुसैनी चौक में रौनक का माहौल दिखाई देने लगा है। बच्चों के लिए छोटे दुलदुल और बुर्राक भी बाजार में पहुंच गए हैं। स्थानीय आजाद चौक स्थित मस्जिद पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है।

मेडिकल कॉलेज में बनेगी प्रदेश की छठवी वायरोलॉजी लेब

माही की गूंज, रतलाम।

बंजली स्थित डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कॉलेज का चयन केंद्र सरकार ने वायरोलॉजी लैब खोलने के लिए किया है। लैब के खुलने से घातक वायरस का पता आसानी से लगाया जा सकेगा और कॉलेज के विद्यार्थियों को नए वायरस पर शोध का अवसर मिलेगा।अत्याधुनिक लैब से बीमारियों की पहचान करने में भी आसानी होगी।

मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी लैब में अभी कोरोना, डेंगू आदि की जांच होती है। कई बार सैंपल की संख्या बढ़ने से सैंपल जांच के लिए इंदौर भेजना पड़ते हैं। केंद्र सरकार द्वारा वायरल रिसर्च डायग्नोस्टिक लैब (वीआरडीएल) स्वीकृत करने से अब जीका, रैबीज, मंकी पाक्स, रोटा वायरस, बर्ड फ्लू, इबोला और रूबेला आदि की जांच के साथ ही भविष्य में जीनोम सिक्वेंसिंग भी की जा सकेगी।

अभी इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा में ही यह सुविधा है। प्रदेश में रतलाम मेडिकल कॉलेज छठवां कालेज होगा, जहां वीआरडीएल लैब खुलेगी। कॉलेज की वर्तमान डीन डॉ. अनिता मूथा पूर्व में इंदौर मेडिकल कालेज में माइक्रोबायोलॉजी विभाग प्रमुख रह चुकी हैं। ऐसे में उनके अनुभव का लाभ लैब की स्थापना, आधुनिक संसाधनों की खरीदी में मिलेगा।

मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. प्रफुल्ल सोनगरा ने बताया कि वीआरडीएल लैब में वायरस से फैलने वाली सभी बीमारियों को नियंत्रित करने के तरीके, उनका रेजिस्टेंट और किन दवाओं का उन पर असर होता है आदि पर रिसर्च कर डायग्नोसिस करने में भी मदद मिलेगी।

इस तरह बनेगी लैब

लैब के लिए तय मानक अनुसार मेडिकल कॉलेज परिसर में 390 वर्गमीटर भूमि पर लैब का निर्माण होगा। लैब में दो साइंटिस्ट, दो टैक्नीशियन, दो डेटा इंट्री ऑपरेटर व एक हाउस कीपर सहित कुल सात कर्मचारी रहेंगे। निर्माण में अत्याधुनिक जांच मशीनों की खरीदी व अन्य संसाधन, भवन निर्माण आदि के लिए केंद्र सरकार से करीब 1.5 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी।

स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद छह से आठ महीने में लैब बनकर तैयार हो जाएगी। मंगलवार को केंद्रीय स्तर से कालेज प्रशासन को एक प्रोफार्मा भेजा गया है। कॉलेज प्रबंधन इसे भरकर ऑनलाइन जमा करवाएगा। इसके बाद एमओयू साइन होगा। अगस्त तक स्वीकृति मिलने की संभावना है।

कोरोना काल में पांच लाख सैंपलों की जांच की थी

मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी लैब में करोना काल के दौरान पांच लाख सैंपल की कोरोना जांच की गई थी। नई लैब से पीसीआर किट की उपलब्धता भी सुगम रहेगी। अभी प्रतिदिन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में औसतन 1000 से 1200 मरीज आते हैं। इसी तरह भर्ती होने वालों की संख्या 300 से 400 तक रहती है। अभी माइक्रोबायोलॉजी लैब में अलग-अलग बीमारियों, कल्चर आदि के 200 से 250 सैंपलों की जांच प्रतिदिन होती है।

इस मौके पर चैतन्य काश्यप मंत्री व शहर विधायक ने बताया कि, शासकीय मेडिकल कॉलेज को उपचार सुविधाओं के मान से बेहतर बनाने के लिए क्रमवार सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इससे रतलाम व आसपास के रहवासियों को भी लाभ मिलेगा।

वहीं डॉ. अनिता मूथा डीन शासकीय मेडिकल कालेज का कहना है कि, वायरोलॉजी लैब के लिए चयन होना बड़ी उपलब्धि है। नए खुले पांच मेडिकल कॉलेजों में अभी सिर्फ रतलाम को ही चुना गया है। इससे वायरल आधारित बीमारियों के उपचार में मदद मिलेगी।

आगामी तीन माह तक पड़ने वाले त्यौहारों को लेकर राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक, बाढ़ ग्रसित ग्रामों में बुनियादी आवश्यकताओं की तैयारी के भी दिए निर्देश

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने बुधवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और उन्हें आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, जेएस बघेल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अधीक्षक भू.अभिलेख मौजूद थे।

कलेक्टर श्री शर्मा ने बैठक में राजस्व अधिकारियों से कहा कि 01 जुलाई से पुराने कानूनों की जगह तीन नये कानून लागू हो गए हैं। अतः राजस्व न्यायालयों में नये कानूनों के अनुरूप कार्यवाही की जाए। उन्होंने असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए प्रतिबंधात्मक कार्यवाही निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए। आगामी समय में आने वाले मोहर्रम त्यौहार को लेकर सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर सभी समाज के लोगों से शांति एवं सामाजिक सद्भाव बनाएं रखने के लिए चर्चा करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री शर्मा ने सावन मास के प्रारंभ होने से लेकर आगामी तीन माह तक पड़ने वाले त्यौहारों को लेकर राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाएं रखने के लिए कड़ी निगरानी रखें। सावन मास में कावड़ यात्रा एवं मंदिरों में पूजा अर्चना के दौरान आवागमन एवं भीड़ पर नियंत्रण को लेकर सतर्क रहे। जिससे कहीं पर भी किसी भी तरह की अप्रिय घटना घटित न हो। इसके लिए उन्होंने पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने तथा कावड़ यात्रा के दौरान अपने क्षेत्र के अस्पतालों में चिकित्सकों की समय पर मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नदी किनारे के मंदिरोंए धार्मिक स्थलों एवं आश्रमों में त्यौहारों के दौरान होने वाले भण्डारे को लेकर स्वच्छता पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। बड़वाह के एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि उदयनगर की ओर से नेशनल हाईवे पर भारी वाहन न आने दें।

वर्षा ऋतु के दौरान बाढ़ से प्रभावित होने वाले खरगोन जिले के महेश्वरए मण्डलेश्वरए कसरावद एवं बड़वाह के 92 चिन्हित ग्रामों में बुनियादी आवश्यकता की सभी तैयारी रखने के निर्देश दिए गए। इसके लिए राजस्व अधिकारियों को मॉक ड्रील कर अपनी तैयारियों का परीक्षण करने के निर्देश दिए गए। सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि यदि उनके क्षेत्र में कोई मकान या रिहायसी भवन वर्षा के दिनों में गिरने की संभावना हो तो उसे तत्काल खाली करा दें। सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को अपने क्षेत्र में जल जीवन मिशन की बैठक लेकर जल स्त्रोतों का शुद्धिकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिससे वर्षा के दिनों में आमजन संक्रामक बीमारियों से प्रभावित न हो सके। सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को अपने क्षेत्र की गौ शालाओं का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखने के निर्देश दिए गए। गौ शाला में निरीक्षण के दौरान पशुओं में संक्रामक बीमारियां न हो इसके विशेष रूप से परीक्षण करने कहा गया।

नगरपालिका ने आवारा पशुओं को पकड़ने की चलाई मुहिम

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशों के परिपालन में नगर पालिका द्वारा 6 जुलाई से खरगोन शहर के व्यस्तम एवं मुख्य मार्गों पर विचरण करने वाले मवेशियों पर नियंत्रण करने की मुहिम चलाई गई। इसमें नगरपालिका द्वारा शहर के मुख्य मार्गों पर भटकने वाले 25 मवेशियों को कांजी हाउस में बंद किया गया था। जिसमें से 07 पशु पालकों से मवेशियों को छुड़ाने के लिए नगरपालिका द्वारा 2900 रुपये की राशि वसूली गई।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी एमआर निगवाल ने पशु पालकों को समझाइस दी है कि यदि कोई ब्रांडेड पशु दो बार से अधिक आवारा भटकते हुए पाया जाता है तो नियमानुसार कार्यवाही कर पशु को जब्त कर लिया जाएगा तथा उसका निपटान नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। श्री निगवाल ने बताया कि मुख्य सड़कों पर आवारा पशुओं के बैठे रहने या विचरण करने से दुर्घटना का अंदेशा रहता है और दुर्घटना होने पर वाहन चालक की मृत्यु भी हो जाती है। अतः पशु पालकों से अपील की गई है कि वे अपने पशुओं को आवारा न छोड़े और सड़कों पर न घुमने दें।

जिला परिवहन अधिकारी द्वारा की गई स्कूल बसों की चेकिंग

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी बड़वानी सुश्री रीना किराड़े द्वारा 9 जुलाई को स्कूल बसो की चैकिंग की गयी । चैकिंग के दौरान साकेत इन्टरनेशनल स्कूल अंजड़ए स्वामी मोहनानंद शिक्षण संस्थान तलूनए और कौटिल्य एकेडमी तलून की स्कूल बसो का निरीक्षण किया गया। सभी बसो में इमरजेन्सीए एग्जिटए फायर सेफटी और मेडिकल किट के अलावा सभी दस्तावेज जांचे गये । कौटिल्य एकेडमी स्कूल की एक बस बिना पंजीयन और दो बस बिना परमिट व फिटनेस के संचालित पाये जाने पर उक्त तीनो वाहनो को जप्त किया जाकर कार्यालय में सुरक्षार्थ रखा गया ।

पैरों से लिखकर मंजिल पर पहुंचना चाहता है पारसिंह परिहार

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालयए बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉण् दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में वोकेशनल कोर्स व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इंटरनल एग्जाम के दौरान जीवन संघर्ष का एक उदाहरण देखने को मिला। एक विद्यार्थी फर्श पर बैठकर पैर से पेपर हल कर रहा था। कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया और वर्षा मुजाल्दे ने बताया कि इस छात्र का नाम है.पारसिंह परिहार। यह हाथ से लिखने में असमर्थ है। उसके लिए बोलना भी बहुत कठिन है। अत्यधिक प्रयास के बाद वह एक दो शब्द बड़ी मुश्किल से बोल पाता है। लेकिन उसमें आगे बढ़ने का जज्बा बहुत अधिक है। वह सरकारी सेवा में जाना चाहता है। वह पैरों से सुंदर और पठनीय अक्षर लिखता है। पैरों से लिखते हुए उसने स्कूलिंग पूरी की है। वह हायर सैकेंडरी में प्रथम श्रेणी में प्राप्त करने में सफल रहा। पैरों से लिखकर मंजिल पर पहुंचने के लिए तत्पर तथा परिश्रमरत पारसिंह परिहार को कॅरियर सेल पूरी तरह सपोर्ट करता है और उसे निरंतर मार्गदर्शन देता है। उसका जज्बा साथी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम के आयोजन में राहुल भंडोलेए वर्षा मालवीयाए नागरसिंह डावरए अनिल मंडलोईए बादल धनगरए डॉण् मधुसूदन चौबे ने सहयोग दिया।

रोजगार मेलों का आयोजन 15 जुलाई से

माही की गूंजए धार।

जिला परियोजना प्रबंधक मण्प्रण् राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने बताया कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा डीडीयू.जीकेवाई अंतर्गत प्रति माह रोजगार मेले आयोजित करने के निर्देश प्रदाय किये गये है। जिसमें संकुल स्तरीय रोजगार मेलों का आयोजन 15 जुलाई से आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई को जनपद पंचायत निसरपुर के आजीविका भवन मेंए 16 जुलाई को सीएलएफ कार्यालय मनावर मेंए 19 जुलाई को धरमपुरी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत भवन चिक्टयावड मेंए 23 जुलाई को नालछा जनपद पंचायत के सीएलएफ कार्यालय दिग्ठान में तथा 24 जुलाई को आजीविका कार्यालय जनपद परिसर बदनावर में रोजगार मेले प्रातः 11 बजे से आयोजित होंगे। उन्होंनेबताया कि इन रोजगार मेलों बेरोजगार युवाओं को विभिन्न उद्योगोंध्कंपनियों में सीधे रोजगार उपलब्ध कराने का एक प्रभावी माध्यम है। शासन द्वारा उच्च स्तर पर इसकी समीक्षा समय.समय पर की जाती है। संकुल स्तर के समस्त स्व.सहायता समूहोंए ग्राम संगठनोंए सरपंचए सचिव एवं रोजगार सहायकों के माध्यम से इच्छुक बेरोजगार युवक्रध्युवतियों को सूचित करने के निर्देश दिये है।

ट्रायथलॉन हेतु भोपाल में होगा टेलेंट सर्च का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

मप्र राज्य ट्रायथलॉन में नवीन खिलाड़ियों को रखे जाने हेतु टैलेन्ट सर्च 13 एवं 14 जुलाई 2024 को संचालनालयए खेल एवं युवा कल्याण टीण्टीण् नगर स्टेडियमए भोपाल में किया जा रहा हैए जिसमें प्रविभावन खिलाड़ियों का चयन किया जावेगा। जिला खेल अधिकारी रूपसिंह कलेश से प्राप्त जानकारी अनुसार ट्रायथलॉन प्रतिभा चयन में भाग लेने हेतु 13 जुलाई को चयन स्थल पर आधारकार्डए जन्म प्रमाण पत्रए मूलध्स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की छायाप्रति सहित उपस्थित होवे।

लायंस क्लब बड़वानी सिटी के सहयोग से हुआ नेत्र शिविर का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् सुरेखा जमरे एवं सिविल सर्जन डॉण् अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में लायंस क्लब बड़वानी सिटी और चोइथराम नेत्र चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन स्थानीय जिला चिकित्सालय में किया गया जिसमें खरगोनए धार जिले के अलावा बड़वानी के आस पास के क्षेत्र से लगभग 103 नेत्र मरीज शिविर में आए। परीक्षण के बाद 23 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण मिले । क्लब अध्यक्ष लायन सचिन शर्मा एवं लायन महेश जोशी ने बताया की उक्त शिविर में आए हुए नेत्र मरीजो का नेत्र परीक्षण बड़वानी जिला चिकित्सालय के डॉण् आशीष सेनए चोइथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर की डॉण् आफरीन खानए नेत्र सहायक अनिल राठौड़ए रविन्द्र टेकाम एवं सिस्टर ज्योति कन्नोजेए अश्विन बड़ोले ने किया। तथा मोतियाबिंद के लिए चयनित मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए चोइथराम नेत्र चिकित्सालय इन्दौर बस द्वारा भेजा गया । क्लब सचिव लायन नकुल पटेल ने बताया कि चयनित मरीजों के चोइथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर में ऑपरेशन कर निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण किए जाएंगे। कोषाध्यक्ष लायन देवेंद्रपाल सिंह भाटिया ने बताया कि इस शिविर में आए मोतियाबिंद के मरीजों को भोजनए चायए नाश्ताए दवाइयां और चश्मा निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे । इस निःशुल्क नेत्र शिविर में लायन राम जाटए लायन केण्एसण् मुजाल्दा के साथ चोइथराम नेत्र चिकित्सालय एवं जिला चिकित्सालय बड़वानी के स्टॉफ का सराहनीय सहयोग रहा । अगला नेत्र शिविर जिला चिकित्सालय बड़वानी में दिनांक 24 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

सभी जिलेवासी लगाये अपनी माताजी के नाम से एक पेड़-कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

शासन द्वारा चलाये जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत सभी जिलेवासी अनिवार्य रूप से अपने घरए कार्यालयए बगीचा या अपने नजदीक के किसी स्थान पर जाकर अनिवार्य रूप से अपनी माताजी के नाम से पेड़ लगाये। माता और बच्चे का संबंध बहुत अनूठा और गूढ़ होता है। माता और बच्चे के इस अनूठे प्रेम को हम एक पेड़ लगाकर भी प्रदर्शित कर सकते है। कलेक्टर डॉण् राहुल फटिंग ने उक्त बाते पशु चिकित्सालय सेंधवा के परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण करते हुए कही। इस दौरान एसडीएम सेंधवा श्री अभिषेक सराफए नगर पालिका सीएमओ श्री मधु एवं सेंधवा साइकिल ग्रुप के सदस्य भी उपस्थित थे। इस दौरान नगर पालिका सेंधवा सीएमओ ने बताया कि पशु चिकित्सालय सेंधवा के परिसर में किये जाने वाले पौधारोपण एवं पौधों को बढ़ा करने की जिम्मेदारी साइकिल ग्रुप सेंधवा के सदस्यो ने ली है। इस पर कलेक्टर ने उनका हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि ग्रुप के सभी सदस्य सहभागिता करते हुए पौधारोपण करे एवं जब उनके द्वारा लगाये गये पौधे वृक्ष का रूप लेंगे तो जो आनंद की अनुभूति होगी उसे शब्दों में नही कहा जा सकता है।

जल जीवन मिशन के प्रगतिरत कार्यों के संबंध में हुआ बैठक का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग की अध्यक्षता में मंगलवार की शाम को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में जिला जल एवं स्वच्छता समिति अंतर्गत जल जीवन मिशन के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बड़वानी द्वारा बताया गया कि जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कुल 702 ग्रामों मे से जल जीवन मिशन अतंर्गत 329 ग्रामों की योजनाएंए लागत 452ण्91 करोड रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। स्वीकृति प्राप्त योजनाओं में से 192 ग्रामों मे कार्य पूर्ण ए137 ग्रामों मे कार्य प्रगतिरत है। बैठक में मण्प्रण्जल निगम के महाप्रबंधक द्वारा जल निगम द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी दी गई। जिले मे मण्प्रण् जल निगम मर्यादित भोपाल के माध्यम से 2 समूह योजनाओं एजिनकी लागत 1909ण्65 करोड़ रूपये हैए के द्वारा क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से 682 ग्रामों को आच्छादित किया जाना प्रस्तावित है। मंण्प्रण् जल निगम की 2 योजनाओं ;सेगवाल.1ए सेगवाल.2द्ध के कार्य प्रगतिरत है जिनके माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से एवं जल जीवन मिशन अतंर्गत क्रियान्वित की गयी एकल ग्राम योजनाओं मे बल्क वाटर के माध्यम से पेयजल प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है। कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा नलजल योजनाओं के प्रगतिरत कार्यो की विकासखंड वार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि किसी फर्म द्वारा समय सीमा में कार्य नहीं किया जा रहा है तो उन ठेकेदारों के विरुद्ध अनुबंध की शर्तों के अनुसार कड़ी कार्यवाही करते हुए उनके अनुबंध निरस्त किये जाएँ । साथ ही जिन नलजल योजना के कार्य विद्युत कनेक्शन.चार्जिंग के कारण पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं उनसे संबंधित समस्त प्रकरण विद्युत मंडल को प्रेषित किए जाऐं । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं के कार्य पूर्ण हो गए हैं उनकी सूची जनपद सीईओ को उपलब्ध करवाई जावे । हर घर जल ग्राम घोषित एवं प्रमाणित करने की प्रक्रिया में भी जनपद सीईओ के मार्गदर्शन में आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागए मण्प्रण्जल निगमए जनपद पंचायत सीईओएविद्युत मंडलए तथा संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं प्रगतिरत योजनाओं के निविदाकार उपस्थित हुए।

मांडू की सांसों में घुलता जा रहा पर्यटकों की गाड़ियों का धुंआ

माही की गूंज, धार।

पर्यटक स्थलों पर एक सीमा से अधिक पर्यटक अकसर परेशानी का सबब बन जाते हैं। देश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में शामिल धार के मांडू में भी यह स्थिति बनने लगी है। पहाड़ों में बसे मांडू का सौंदर्य देखने बड़े पैमाने पर देश-प्रदेश के पर्यटक पहुंचते हैं।

अधिकतर पर्यटक निजी वाहनों से ही यहां आते हैं। ऐसे में सैकड़ों वाहनों से निकलने वाला धुआं और ट्रैफिक जाम यहां की शांति को भंग कर रहे हैं। मांडू को इस समस्या से बचाने अब प्रशासन यहां की व्यवस्था में बदलाव कर रहा है।

यहां के सबसे बड़े आकर्षण जहाज महल को देखने आने वाले पर्यटकों की गाड़ियां अब जहाज महल तक नहीं आने दी जाएंगी। चाहे वीआइपी हो या आम नागरिक, किसी का निजी वाहन नगर परिषद की नवनिर्मित वाहन पार्किंग से आगे नहीं जाने दिया जाएगा।

ई-रिक्शा से मिलेगा रोजगार

ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि वाहनों के धुएं और भीड़ से जहाज महल की शांति और सौंदर्य प्रभावित न हो। विकल्प के रूप में प्रशासन यहां ई-रिक्शा की व्यवस्था करेगा। ई-रिक्शा को बढ़ावा देने से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

कलेक्टर ने दिए व्यवस्था बदलने के निर्देश जिला पुरातत्व एवं पर्यटन संघ की बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अनुविभागीय दंडाधिकारी पीथमपुर और नगर परिषद सीएमओ को निर्देशित किया है कि जल्द ही यह व्यवस्था लागू कर ई-रिक्शा प्रचलन को बढ़ाने की व्यवस्था करें।

नई व्यवस्था से होगा ये लाभ

व्यवस्था में बदलाव का एक लाभ यह भी होगा कि पर्यटक पार्किंग से लेकर जहाज महल के बीच वाले रास्ते में लगभग 400 मीटर पैदल चल सकेंगे। पर्यटक प्रकृति का अधिक आनंद ले पाएंगे। यहां मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा हेरिटेज पाथवे का निर्माण भी किया जा रहा है।

वीवीआईपी के लिए पिछला दरवाजा

मांडू में देश-विदेश से अति-विशिष्ट मेहमानों का आना-जाना भी लगा रहता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा और व्यवस्था को देखते हुए उनके प्रवेश को लेकर अलग निर्णय लिया गया है। तय हुआ है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो अति-विशिष्ट मेहमानों के लिए मांडू टोल क्षेत्र से जहाज महल की ओर जाने वाले मार्ग से ले जाकर जहाज महल के पिछले द्वार से प्रवेश दिया जाएगा। यह वही द्वार है, जहां लाइट एंड साउंड शो भी होता है।

स्थानीय लोगों के लिए लागू नहीं होगा नियम

इस नियम से स्थानीय लोगों के आवागमन और व्यापारिक गतिविधियों में दिक्कत न हो, इसके लिए उन पर यह नियम लागू नहीं होगा। हालांकि यह तय नहीं हुआ है कि सुरक्षाकर्मी कैसे पहचानेंगे कि कौन स्थानीय है और कौन बाहरी। इसके लिए पहचान पत्र संबंधी व्यवस्था बनाने पर विचार चल रहा है।

लंबे अंतराल के बाद झमाझम बरसे बादल, साप्ताहिक हाट बाजार में अफरा तफरी मची

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत दिनों हुई बारिश के बाद कृषकों ने खरीफ फसल की बुवाई तो कर दी मगर वर्षा रुक जाने के कारण फसलों में वृद्धि नहीं होने से कृषक चिंतित नजर आ रहे थे। खेतों में बोया गया बीच अंकुरित हो गया जिसकी निंदाई-गुड़ाई भी कृषकों ने करना चालू कर दिया मगर वर्षा की खेचं के कारण पौधों की वृद्धि नहीं होने से कृषक चिंतित नजर आ रहे थे। प्रार्थना कर रहे थे कि, वर्षा हो जाए आज 9 जुलाई की दोपहर अचानक मौसम बदला तथा एक घंटे तक झमाझम बारिश ने साप्ताहिक हाट बाजार में अफरा तफरी का माहौल बना दिया। खुले मैदान में लगी दुकानों को व्यापारी ढंकते तथा समेटते नजर आऐ। ग्राहक जहां तहां वर्षा से बचाव हेतु छुपते नजर आए कुछ समय बाद वर्षा पुनः थम गई। मगर जितनी वर्षा हुई उससे फसलों को जीवनदान जरूर मिला कृषक कभी तेज तथा सतत् बारिश की आस लगाए बैठे हैं।

स्वम सहायता समूह ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

प्रदेश भर में संचालित साँझा चूल्हा समूह को सरकार अब छीन कर आंगनवाड़ी सहायिकाओ के द्वारा खाना बनाने के लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार कर लिया है। जिसको लेकर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बताया कि, पिछले 15 वर्षो से अधिक समय से महिला सेवा दे रही है। इसको मध्य प्रदेश सरकार पायलट प्रोजेक्ट के रूप में नवाचार व्यवस्था लागु करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से प्रदेश की लाखो महिला बेरोजगार हो जाएगी। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वम सहायता समूह की महिलाओ को ÷लाखपति दीदी÷ बनाने का सपना देख रहे है। इधर मुख्यमंत्री महिलाओ के साथ अन्यान कर रहे है। सरकार को पायलट प्रोजेक्ट को वापस लेना चाहिए। नहीं तो पुरे प्रदेश भर में उग्र आंदोलन की तयारी है। उक्त जानकारी जिला मंत्री धनसिंह कनेश, जिला अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी लोहार ने दी है। ज्ञापन देने में जिले के सभी ब्लॉको से अध्यक्ष / सचिव एवं रसोइया सम्मिलित रही।

शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर डॉक्टर अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने सभी उपस्थित नागरिकों से कहा की आगामी दिवसों में जो त्यौहार जिले में मनाए जाएंगे। उस दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे के संबंध में इस बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक के द्वारा कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने बताया कि, जिले में किसी भी तरह माहोल खराब न हो इस बात की जिम्मेदारी प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिक की भी है। उन्होंने समाज के वरिष्ठ को अवगत कराते कहा कि, जुलूस के दौरान डीजे हथियार एवं ज्वलनशील पदार्थ पूरी तरीके से प्रतिबंधित रहेंगे। उन्होंने समस्त मुस्लिम समाज प्रमुख से चर्चा कर कहा कि जिले में प्रतीक ताजिया पर समाज के चार-चार लोगों को ताजिए की देखरेख करने की जवाबदारी सोपी जाए। उक्त लोगो के नाम एसडीएम को भी अवगत कराए। जुलूस के रूट चार्ट और समय मय तारीख के साथ जिला प्रशासन को अवगत कराए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तपिश पांडे को निर्देशित किया कि मोहर्रम जुलूस एवं तय स्थान का निरीक्षण करें और सुरक्षा आदि को लेकर व्यवस्था सुनिश्चित करे। इस दौरान उन्होंने जगन्नाथ यात्रा के आयोजनकर्ता से चर्चा करते हुए यात्रा का रूट चार्ट और समय की जानकारी ली। इस दौरान आयोजन करता ने बताया कि, दिनांक 11 जुलाई को जगन्नाथ यात्रा नरसिंह मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड एवं शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए नरसिंह मंदिर पर समाप्त होगी। दोपहर में 2:30 बजे प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने आयोजनकर्ता से चर्चा करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान किसी तरह की भगदड़ या लापरवाही ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। जगन्नाथ यात्रा से संबंधित भजन संध्या और निवेदन यात्रा का आयोजन दिनांक 10 तारीख को किया जा रहा है वह समय पर पूर्ण किया जाए।

इस दौरान पुलिस राजेश व्यास ने सभी समाज प्रमुख एवं उपस्थित लोगों को बताया कि, पुलिस प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया एवं अन्य प्लेटफार्म पर नजर रखी जा रही है जिले के किसी भी व्यक्ति द्वारा भड़काऊ पोस्ट या किसी सामाज के विरोध या किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की तो संबंधित के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देशित करते हुए कहा की त्योहार के समय ट्रैफिक प्रबंधन के लिए भी विशेष सावधानी रखी जाए।उन्होंने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि आपसी भाईचारे शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से आगामी त्योहार त्योहार मनाए। इस दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे साथ ही मक्कु परवाल, बद्री लाल गुप्ता, जयंतीलाल वाणी, राजेंद्र कुमार मोदी, आनंद महाराज, सैयद अशफाक, जुबेर निजामी, सैयद मोहसिन, खुर्शीद अली दिवान समेत सभी समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

सिंहस्थ से पहले बिल्वामृतेश्वर मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

माही की गूंज, धार।

वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को लेकर उज्जैन सहित समूचे मालवा-निमाड़ में अलग-अलग तैयारियां शुरू हो रही हैं। इसी कड़ी में धार जिला स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक नगरी धरमपुरी में नर्मदा नदी के बीच बेंट टापू पर स्थित बिल्वामृतेश्वर महादेव मंदिर को संवारा जाएगा। इसे धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

पांच करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों में यहां श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए मार्ग बनाने सहित अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके लिए मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की है। योजना के तहत धार जिला मुख्यालय से करीब 70 किमी दूर धरमपुरी में नर्मदा नदी के बीचोबीच बने बेंट टापू का विकास किया जाएगा। श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए नर्मदा नदी पर पुल निर्माण भी किया जाएगा। असुरों के संहार के लिए अपनी हड्डियां तक दान कर देने वाले महर्षि दधीचि की प्रतिमा स्थापना की भी योजना है।

धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सरकार बनने के बाद मुलाकात करके बेंट संस्थान के विकास को लेकर चर्चा की थी। इस मामले में मुख्यमंत्री ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित विभाग को इस दिशा में योजना बनाने के निर्देश दिए थे। इस पर पर्यटन विकास निगम ने प्रशासन की पहल के साथ योजना तैयार की है। संस्थान द्वारा मंदिर परिसर में सुंदरीकरण का कार्य किया जाएगा। साथ ही यहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने व श्रद्धालुओं की सुविधा के भी कई कार्य होंगे।

पर्यटन विकास निगम के कार्यपालन यंत्री दीपक राज ने बताया कि, मुख्यमंत्री और विभागीय उच्च अधिकारी के निर्देश के बाद धरमपुरी बेंट संस्थान के लिए योजना बनाकर पिछले सप्ताह जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के माध्यम से जिला प्रशासन को सौंप दी है।

जिले से अनुमोदित होकर पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक को पत्र जारी होगा। उसके बाद विभागीय निर्देशों के अनुरूप इस दिशा में आगे बढ़ेंगे। विस्तृत कार्य योजना बनाई है। पूरी योजना कुल पांच करोड़ रुपए की है।

त्रेतायुग में भगवान राम के पूर्वज राजा रंतिदेव ने इस टापू पर मनोरथ सिद्धि के लिए राजसूय यज्ञ किया था। राजा भगवान शिव के परम भक्त थे। उन्होंने भगवान शिव का आह्वान किया, तब भगवान यहां प्रकट हुए और दर्शन दिए। इसके पश्चात राजा की इच्छानुसार भगवान यहां लिंग रूप में स्थापित हो गए। स्वयंभू रूप से प्रकट शिवलिंग का स्कंद पुराण के रेवाखंड व रेवा माहात्म्य में उल्लेख है।

जीवन में मान्यता है कि महर्षि दधीचि जिन महादेव की पूजा करते थे, वह बिल्वामृतेश्वर कहलाए। 30 हजार वर्गफीट में बना बिल्वामृतेश्वर महादेव मंदिर रामायण कालीन है। यह नर्मदा की दो धाराओं के बीच तीन किमी लंबे टापू पर स्थित है। इस टापू को बेंट के नाम से पहचाना जाता है। मंदिर के पास ही महर्षि दधीचि और उनकी पत्नी की समाधि स्थित है।

टापू के दक्षिण भाग में मंदिर में भगवान दत्तात्रेय एवं नर्मदा देवी की प्रतिमाएं स्थापित हैं। लोक-जीवन में ऐसी मान्यता है कि दधीचि ऋषि ने इस टापू पर विश्व कल्याण के लिए वज्र बनाने के लिए अपनी अस्थियों का दान किया था। यद्यपि ऐसा ही दावा उत्तरप्रदेश के नैमिषारण्य क्षेत्र में भी किया जाता है।

आकास जिला अध्यक्ष की प्रेस विज्ञप्ति के बाद कॉलेज प्रशासन ने बदला संस्था का साइन बोर्ड

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आदिवासी कर्मचारी-अधिकारी संगठन (आकास) जिला अध्यक्ष भंगुसिंह तोमर के द्वारा शासन-प्रशासन को किये गए सार्थक पत्र व्यवहार एवं अपने स्तर से की गई पहल रंग लाई। तोमर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कॉलेज के नामकरण के अनुरूप साइन बोर्ड लगाने की मांग की गई है। आदिवासी छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष विजय कनेश ने कहा कि, तोमर के द्वारा किए गये अथक प्रयास से आज उसका परिणाम हम सभी के समक्ष देखने को मिल रहा है। महाविद्यालय के नामकरण के बाद भी नवीन साइन बोर्ड नही लगाया जा रहा था। तोमर सर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तत्काल क्रांतिकारी शहीद छितुसिंह किराड़ शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीराजपुर÷ के नाम से बोर्ड लगाने के लिए कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर एवं कॉलेज प्रशासन से मांग की गई थी।

जयस जिला अध्यक्ष अरविंद कनेश ने कहा कि, विशाल द्वार पर लगे भव्य बोर्ड पर लिखे गए हमारे समाज के वीर क्रांतिकारी योद्धा को अब उचित मान सम्मान प्राप्त हुआ है। इस कार्य को सम्पादित करवाने में तोमर द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया गया हैं।

अश्विन बामनिया का असिस्टेंड कमांडेड के पद पर हुआ चयन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

संघ लोक सेवा आयोग 2023 द्वारा आयोजित परीक्षा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में ऑफिसर के पदों की अंतिम चयन सूची जारी की गई है। जिसमें ग्राम पुजारा की चौकी, ग्राम पंचायत सुखिवावड़ी के अश्विन बामनिया पिता कमालसिंह बामनिया का असिस्टेंड कमांडेड के पद पर चयन हुआ है। आकास जिला अध्यक्ष भंगुसिंह तोमर ने कहा कि, यह आदिवासी बाहुल्य जिले के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि हैं। युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। युवा अश्विन बामनिया जी ने देश में अलीराजपुर जिले का नाम रोशन किया।आदिवासी कर्मचारी-अधिकारी संगठन (आकास) टीम के द्वारा सहर्ष वक्त करते हुए फूलमालाओं, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

इस अवसर पर आकास जिला अध्यक्ष भंगुसिंह तोमर, अजाक्स जिला अध्यक्ष रतन सिंह रावत, अजाक्स के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र भयडिय, आकास कार्यकारी अध्यक्ष केरम जमरा, उपाध्यक्ष लालसिंह डावर, महासचिव सुरेंद्र सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य श्रीमति रिंकू बाला डावर, ग्राम पंचायत मसनी के सरपंच भारत सिंह मौर्य, जयस जिला अध्यक्ष अरविंद कनेश,पूर्व जयस जिला अध्यक्ष विक्रमसिंह चौहान, आकास जिला सचिव अन्नू चौहान, सक्रिय सदस्य रमेश डावर, श्रीमती गुलाबी तोमर, प्रमिला डावर, श्वेता तोमर तथा पेमाबाई डावर आदि उपस्थित रहें थे।

सावन-भादो में प्रजा का हाल जानने निकलेंगे महाकाल

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रावण-भादौ मास में भगवान श्री महाकाल की सवारियां निकाली जायेंगी। श्रावण मास की प्रथम सवारी 22 जुलाई को निकाली जायेगी। भादौ मास में भगवान महाकाल की अन्तिम शाही सवारी 2 सितम्बर को निकाली जायेगी। श्रावण मास में पांच सवारी एवं भादौ मास में दो सवारी निकलेगी।

श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में प्रथम सवारी सोमवार 22 जुलाई, द्वितीय सवारी सोमवार 29 जुलाई, तृतीय सवारी सोमवार 5 अगस्त, चतुर्थ सवारी सोमवार 12 अगस्त, पंचम सवारी सोमवार 19 अगस्त को श्रावण मास में निकाली जायेगी। इसी तरह भादौ मास में षष्ठम सवारी सोमवार 26 अगस्त तथा शाही सवारी सोमवार 2 सितम्बर को निकाली जायेगी।

सवारी मार्ग

भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी श्री महाकालेश्वर मन्दिर के सभा मण्डप में विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर अपने निर्धारित समय पर प्रारम्भ होकर मन्दिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा भगवान श्री महाकाल को सलामी देकर सवारी गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी से होते हुए रामघाट शिप्रा तट पहुंचेगी। यहां सवारी का पूजन-अर्चन होने के बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती समाज मन्दिर, सत्यनारायण मन्दिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मन्दिर, पटनी बाजार, गुदरी बाजार होती हुई श्री महाकालेश्वर मन्दिर में वापस आयेगी। शाही सवारी 2 सितम्बर को उपरोक्त मार्ग के अलावा टंकी चौराहा से मिर्जा नईमबेग, तेलीवाड़ा चौराहा, कण्ठाल, सतीगेट, सराफा, छत्री चौक, गोपाल मन्दिर, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा होते हुए श्री महाकालेश्वर मन्दिर पहुंचेगी।

श्रावण-भादौ मास में भस्म आरती के समय में परिवर्तन रहेगा

श्रावण-भादौ मास में प्रतिदिन भगवान श्री महाकालेश्वर की भस्म आरती 22 जुलाई से 2 सितम्बर तक प्रातःकालीन पट खुलने का समय प्रातः 3 बजे होगा। प्रत्येक सोमवार को भस्म आरती का समय प्रातः 2.30 बजे होगा। भस्म आरती प्रतिदिन प्रातः 3 से 5 बजे तक और प्रत्येक सोमवार को 2.30 से 4.30 बजे तक होगी। इसी तरह 3 सितम्बर से पट खुलने का समय पूर्ववत होगा। श्रावण-भादौ मास में भस्म आरती में श्रद्धालुओं की संख्या कम की जाकर कार्तिकेय मण्डपम की अन्तिम तीन पंक्तियों से श्रद्धालुओं के लिये चलित भस्म आरती दर्शन की व्यवस्था रहेगी।

श्रावण-भादौ मास के प्रत्येक शनिवार को श्रावण महोत्सव मनाया जायेगा

श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा 19वे श्रावण महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। श्रावण महोत्सव शनिवार 27 जुलाई से प्रारम्भ होकर शनिवार 31 अगस्त तक मनाया जायेगा। इस दौरान प्रत्येक शनिवार को प्रस्तुतियां आयोजित की जायेंगी। इसमें देश के ख्यात एवं स्थानीय कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी।

प्राचार्यों को सिर्फ नसीहत

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मिल मंसूरी

नवीन शिक्षा निति लागु हो चुकी है। बदलाव की बयार है। शिक्षा जगत में अब नर्सरी से ही संस्कारयुक्त व ज्ञानकोशल शिक्षा की नींव सरकारी स्कूल में भरने लगेगी। फिर दो वर्षों से शैक्षणिक क्षेत्र में सीएम राइस व पीएमश्री स्कूल भी कस्बे व ब्लॉक स्तर पर शुरू हो गए है। जिले में शिक्षा का स्तर सुधारने हेतु भी निरंतर प्रयोग जारी है, पर जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को बट्टा लगा रहा है जनजातीय विभाग।

जनजातिय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त के जिम्मे ही शिक्षा व्यवस्था की मानिटरिंग है। स्कूल शिक्षा विभाग सिर्फ दो -चार स्कूल, होस्टल व निजी स्कूल की मानिटरिंग में व्यस्त है। जिले में एक वर्ष से नियुक्त सहायक आयुक्त निशा मेहरा, अब तक रहे सहायक आयुक्तों में परफोमेंस में फेल ही सिद्ध हो रही है। भले ही स्कूल बोर्ड परिक्षा परिणाम 10 वीं 12 वीं के श्रेष्ठतम में पीठ थप थपा ली हो किन्तु बगैर पालकों की सूचना के जिले के 50 से अधिक स्कूलों में 10 से 20 प्रतिशत, कहीं-कहीं 40 प्रतिशत बच्चों को परिणाम बिगड़ने के डर से प्राचार्यों ने प्रायवेट घोषित करवा दिया। जबकि नियमित मानिटरिंग में जनवरी-फरवरी में निरीक्षण के दौरान मेडम ने क्यूं नहीं कम उपस्थिति पर एक्शन लिया। फिर यह सोची समझी रणनीति के तहत हर साल की तरह खेल खेला हुआ है, किन्तु कलेक्टर ने नब्ज पकड़ ली पर बाद में एक्शन के बजाय कलेक्टर मेडम ने भी आगे से ऐसा नहीं करने की नसिहत दे कर सहायक आयुक्त व प्राचार्यो को क्लीन चीट दे दी।

सिर्फ तुम

स्वीकृत पद की बजाय संख्या बल से मनमानी अतिथि नियुक्तियां

बड़े पैमाने पर सरकारी स्कूल में प्रायमरी से हायर सेकंडरी तक शिक्षकों की कमी है। जिसके चलते एक दशक से भी अधिक समय से हर साल (जुलाई-अगस्त) नवीन अतिथि शिक्षकों की प्रक्रिया शुरू होती है। पूर्ववत कार्यरत अतिथि शिक्षकों को यथावत, प्राथमिकता या फिर पैनल से मेरिट के आधार पर लिया जाता है। डीपीआई से ऑनलाइन तो ट्रायबल में ऑफलाइन प्रक्रिया होती है। जिसमें जिला स्तर पर मार्ग दर्शन में सहायक आयुक्त जनजाति कार्य, शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा अधिकारी व राज्य शिक्षा केंद्र के डीपीसी की समिति रहती है। किन्तु ये सिर्फ औपचारिक ब्लॉक में बीईओ व संकूल प्राचार्य मनमर्जी से एसएमडीसी की कागजी बैठक कर प्रस्ताव अनुमोदित करवा लेते फिर नोटपीट पर सहायक आयुक्त चिढ़ियां बैठा देती। गत वर्ष मेघनगर सहित कुछ ब्लॉक में विशेषकर संकूल प्राचार्य व स्थानीय प्रबंधन ने मिलकर वर्ग तीन व दो में पद स्वीकृत के बजाय छात्र संख्या बल में अतिथि शिक्षकों का मामला आया था। जिसे बाद में रफा-दफा कर दिया गया। कुछ स्कूलों में संकूल प्राचार्य या स्थानीय शिक्षकों ने अपने परिजनों, किसी ने पत्नि, किसी ने पुत्र, तो किसी ने पुत्र वधु को अपनी संस्था में या संकूल में तैनाती दे दी। चर्चा तो यह है कि, पीछे के दरवाजे से बगैर विज्ञप्ति जारी किए कुछ ऐसे शिक्षक भी अतिथि बन गए जो बीएड, डीएड नहीं है पर एमबीए, बीएचएमएस, बीईई तक योग्यताधारी है। जब जिस फिल्ड में ये योग्यताधारी उपयुक्त नही तो प्राचार्यों ने या स्थानीय प्रबंधन ने अपनी मनमानी से या सेटिंग कर इन्हे कैसे अतिथि शिक्षक की नियुक्ति दी? यह यक्ष प्रश्न है। अब पुनः वही अतिथि शिक्षक की नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। संकूल प्राचार्य, बीईओ व कुछ आवेदक मिलकर जुगाड़-तिगाड़ में लगे हुए है। जिसमें सुत्रों से पता चला है कि नियुक्ति के नाम पर दस से पन्द्रह हजार की डिलिंग भी ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही है।

आवासीय एकलव्य विद्यालय में द्रोणाचार्य निकले नटवरलाल

शिक्षा का स्तर सुधरे इसलिए तत्कालीन मध्यप्रदेश कांग्रेस सरकार ने जिले के गरीब जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों हेतु मॉडल स्कूल जिन्हे राजीव गांधी आवासीय स्कूल नाम दिया गया था जो 1998 में प्रारंभ किए गए। जिसमें मॉडल स्कूल अगराल का शुभारंभ तत्कालीन काबिना मंत्री जनजातीय कांतिलाल भूरिया, मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह की उपस्थिति में सोनिया गांधी ने किया था। करोड़ों की लागत के भवन की रजत जयंती यानि 25 वर्ष पूर्ण हो गए है। भाजपा की सरकार बनते ही तत्कालीन मुख्यमंत्री उमाभारती के कार्यकाल में या इसके बाद शिवराजसिंह चौहान के कार्यकाल में मॉडल स्कूल अगराल का नाम पट्टिका से राजीव गांधी शब्द हटा कर एकलव्य आवासीय विद्यालय हो गया। यहां 6 टी से 12 वीं तक करीब 200 छात्र-छात्राएं विभिन्न स्थानों से परीक्षा से चयनित होकर पढ़ते है। विद्यालय को 25 वर्ष में अगर देखें तो गुणवत्ता तो नहीं सुधरी किन्तु प्रभारी व तत्कालीन प्राचार्यों ने अपनी दशा व दिशा सुधार ली। केवल गुमजी भाई सिंगोड़, एस सिसौदिया, महेश चतुर्वेदी और पालावत जी का कार्यकाल बेदाग रहा। वहीं प्राचार्य अग्निहोत्री, बाबूसिंह नायक, एस कुमार सहित कुछ प्राचार्य चर्चाओं में रहे व मॉडल स्कूल परिसर सियासत के संरक्षण में विद्यार्थियों के लिए अखाड़ेबाजी का केंद्र रहा। यहां पूर्व होस्टल अधीक्षक सहित प्राचार्य के खिलाफ विद्यार्थियों ने न सिर्फ विगत वर्षों में धरना प्रदर्शन किया अपितु तत्कालीन प्राचार्य बाबूसिंह नायक को मुंह की भी खानी पड़ी थी। इसी मॉडल स्कूल में संयोग से सत्र 2023-24 में प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार वहीं एक वर्ष के अल्प कार्यकाल में प्रभारी प्राचार्य एईओ अनामिका रामटेके को मिला, जो वर्तमान में जिला संयोजक के उच्च प्रभार पर विगत छः माह से चयनित है। न खाउंगी ना खाने दूंगी की तर्ज पर अनुशासनबद्ध लकीर की फकीर शैली की तर्ज पर युवा प्राचार्य अनामिका ने न सिर्फ गुणवत्ता सुधार की अल्प समय में विद्यालय की अनुशासनहीनता पर भी लगाम लगाई। समय पर कर्तव्य पर अनुपस्थित नहीं रहने व रतलाम से अप-डाउन करने वाली व्याख्याता सुनिता शुक्ला पर नजरें टेढ़ी की। लापरवाही पर एक्शन ली व उन्हे अपनी आदतों के चलते निलंबित तक होना पड़ा। नियमित मानिटरिंग व कार्य की लगन का परिणाम है कि फैल मॉडल जो कभी था इस वर्ष सीबीएससी के बोर्ड परिणाम में प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र के टेन टॉप में अपना स्थान पा गया।

अनामिका की सुक्ष्म एक-एक बिल और चैकअप करना पुराने बाउचर सहित विद्यालयीन केशबुक पर पैनी नजर का परिणाम यह रहा कि, यहां कार्यरत पूर्व प्राचार्य नरेन्द्र भिड़े जो कि सहायक संचालक भी जनजातीय विभाग में रहे ने तीन-चार वर्षों में बाबू शांतिलाल मेड़ा के साथ सांठगांठ कर खेल खेला। यहां बगैर स्कूल आए वारे-वारे किये, फर्जी नियुक्ति अतिथि शिक्षक की कर प्रतिमाह लाखों का गबन सहित करीब तीन साल तक खेल खेला कर नरेन्द्र भिड़े शांतिलाल के साथ मिल हरियाली महोत्सव मनाता रहा व एकलव्यों के नाम जारी राशि को ये इसी की बिरादरी का द्रोणाचार्य अंगूठा दिखाता रहा। अनामिका की पैनी नजर व वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद अब भिड़े जांच टीम के निशाने पर है तो शांतिलाल को निलंबित होना पड़ा। अब सवाल यह है कि क्या नरेन्द्र भिड़े जो कि पूर्व जिला पंचायत सीईओ जमुना भिड़े के पति है की जांच एक्शन मोड में आएगी या लंबी प्रक्रिया के चलते सिर्फ फाईलों की शौभा या सोकाज नोटिस तक सिमित रहेगी। यह सवाल शिक्षा के गलियारे में गूंज रहा है। आखिर गबन के आरोपी शांतिलाल व नरेन्द्र भिड़े कब कानूनी कार्रवाई के चलते जेल के शिकंजे में होंगे या अपने प्रभाव से बेल लेकर खुले घूमेंगे, चर्चा का विषय है।

त्वरित न्याय वाली कलेक्टर....

नेहा मीना की त्वरित न्याय देने की शैली से लोगो में प्रशासन के प्रति बड़ा विश्वास

माही की गूंज मेघनगर।
इमरान शेख

कहते हैं न्याय सिर्फ होना नही चाहिए बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। न्याय के इसी मूलभूत सिद्धांतों को जिले में पदस्थ हुई नई कलेक्टर पूर्ण रूप से धरातल पर साबित कर रही है। झाबुआ जिले में कलेक्टर चंद्रेशकर बोरकर के जाने के सालो बाद जनता को त्वरित न्याय मिलने का नजारा देखने को मिल रहा है। चाहे जिला कलेक्टर द्वारा पारा की जनसुनवाई में न्यायालयीन आदेश के बाद भी कब्जे से वंचित नरवाली ग्राम की महिला को तुरंत उसकी जमीन का कब्जा दिलवाने का मामला हो या फिर मेघनगर में मकान के रास्ते पर किए गए अतिक्रमण की जनसुनाई में हुई शिकायत पर कुछ ही घंटों में अतिक्रमण हटवाने का मामला हो या फिर झाबुआ के मोजीपाड़ा निवासी दृष्टिहीन महिला जमना कुम्हारे के मकान पर झुक गए बिजली के पोल को शिकायत होने के कुछ ही घंटों में हटवाने का मामला हो। जिला कलेक्टर की ये सब त्वरित न्यायिक कार्रवाई शासन का जो जन सुनवाई को शुरू करने का मूल उद्देश था उसे धरातल पर फलीभूत कर रही है। वरना इस से पहले तो जनसुनवाई मात्र कागज़ों के विचरण का खेल बनकर रह चुकी थी। इसी साल जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत झाबुआ जिले ने 20 लाख सीड बाल एक ही दिन में रोप कर वल्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करवा लिया जिसका श्रेय भी जिला कोलेक्टर को ही जाता है। इसके अलावा लोकसेवा केंद्रो पर आय, जाति प्रमाण पत्र के लिए लंबी लम्बी लाइनों में घंटो लगकर परेशान हो रहे लोगों के लिए भी कलेक्टर ने पेटलावद, राणापुर,मेघनगर,थांदला, रामा , झाबुआ में 11 उप लोकसेवा केंद्र खोलकर जनता को बड़ी राहत प्रदान की है।

कलेक्टर के एक्शन मोड के चलते राशन की दुकानों पर भी दिखने लगा प्रभाव

वैसे तो कलेक्टर का ध्यान शिक्षा, स्वास्थ्य,निर्माण सभी क्षेत्रों पर केंद्रित है मगर नई कलेक्टर के आने से सबसे बड़ी राहत जिले के उन आदिवासी और गरीब तबके के लोगो को मिली है जो आर्थिक रूप से काफी कमजोर हैं, जिनका जीवन यापन काफी हद तक शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से मिलने वाले अनाज पर ही निर्भर है। नई कलेक्टर द्वारा जिला खाद्य अधिकारी, समस्त अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों सहित सभी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को लगातार शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के ओचक निरीक्षण और अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देशों का असर पूरे जिले में धरातल पर भी दिखने लगा है। पहले इस तबके के लोगो को जो अनाज शासकीय उचित मूल्य की दुकान से नही के बराबर मिलता था अब कम से कम100 प्रतिशत ना सही लेकिन60 प्रतिशत लोगों को राशन मिलने लगा है। जिस से इन गरीब लोगो सहित मध्यम वर्गीय परिवारों को इस महंगाई के दौर में सस्ता अनाज मिलने से काफी राहत मिलने लगी है यह भी सबसे मुख्य वजह रही है की वर्तमान कलेक्टर आम लोगों के बीच काफी चर्चित हो चुकी है।

नियमों को दरकिनार कर संचालित हो रहा क्रेशर प्लांट

जिम्मेदार खनिज विभाग के अधिकारी नहीं दे रहे हैं कोई ध्यान

मामला थांदला जनपद की ग्राम पंचायत भामल के रूपारेल फलिया में संचालित हो रहे क्रेशर प्लांट का

माही की गूंज, खवासा/भामल।
सुनील सोलंकी

थांदला जनपद के ग्राम भामल के रूपारेल फलिया में जो क्रेशर प्लांट संचालित हो रहा है वह नियमों को दरकिनार करते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भी धज्जियां उड़ाते हुए संचालित हो रहा है। इस क्रेसर प्लांट से ग्रामीणों की जान पर बन आ रही है। यहां पर जैसे ही गिट्टी क्रेशर मशीन का संचालन होता है, तो अधिक मात्रा में डस्त(धूल)उड़कर आसपास आबादी क्षेत्र में पहुंचती है। साथ ही उड़ती धूल से फसलों को भी नुकसान पहुंच रहा है। जहां क्रेशर प्लांट संचालित हो रहा है वहां अधिक मात्रा में गिट्टी करने के लिए पत्थर को संग्रहित कर रखा जाता है। इस रास्ते से कई किसानों को आना-जाना लगा रहता है और उनकी फसल को भी नुकसान पहुंच रहा है।

किसान दिनेश सिंगाड़ ने बताया कि मेरे खेत के सेड़े के नजदीक इतने अधिक मात्रा में पत्थर जमा कर दिए कि खेत पर आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है और दुर्घटना होने का भय भी बना रहता है। जब हम क्रेशर संचालक को कहने जाते है तो हमें कहने लगता है कि हमारे पास तो पटा है और जहां तक हमारी जगह है, वहां हमने पत्थर रखे हैं। आपको जहां शिकायत करनी हो वहां कर दो। हमें कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। किसान ने बताया कि मेरा खेत नजदीक है और क्रेशर प्लांट पर बाउंड्री वॉल भी नहीं है। बाउंड्री वाल के अभाव में मेटी भी नहीं लगा रखी है। जबकि यहां अत्यधिक मात्रा में डस्ट उड़ती है तो आसपास फसल को भी प्रभावित करती है।

पूर्व में भी इसी क्रेशर प्लांट की काफी शिकायत हुई थी। जिसमें तत्कालीन कलेक्टर रजनी सिंह ने भारी भरकम मात्रा में जुर्माना भी क्रेशर प्लांट पर लगाया था। तो मौके पर खनिज विभाग सब इस्पेकटर शंकर कनेश ने पंचनामा बनाकर क्रेशर प्लांट को सील भी किया था। लेकिन फिर भी जुर्माना भरकर नियमों को धत्ता बताते हुए वापस वही क्रेशर प्लांट फिर धड़ल्ले से चल रहा है। बताते हैं काफी लंबे समय से क्रेशर प्लांट यहां संचालित हो रहा है। यहां कभी भी खनिज विभाग के अधिकारी निरीक्षण करने नहीं पहुंचते हैं। जब शिकायत होती है तो ही उनके दर्शन होते है। बाकी ईद के चाँद रहते है। संचालक ने पत्थर निकालने के लिए क्रेशर प्लांट के नजदीक इतना गहरा गड्ढा कर दिया है कि ब्लास्टिंग करते-करते अगर किसी मजदूर के साथ कोई दुर्घटना हो जाए तो पता भी नहीं चले।

क्रेसर प्लांट के संचालक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व उसके नियमों को भी धत्ता बताते हुए प्लांट का संचालन कर रहा है। जिससे ग्रामीण खासे परेशान होते दिखाई दे रहे है। अब ग्रामीणों की मजबूरी यह कि आखिर आखिर शिकायत करें तो कहां करें। जहां भी शिकायत करते हैं वहां थोड़े दिन बाद ही कार्रवाई के बाद बात ठंडे बस्ती में चली जाती है। झाबुआ जिला मप्र के पश्चिम क्षेत्र में बसा हुआ है यहां अधिकतर क्षेत्र पथरीला है। यहां के आदिवासी जंगलों के साथ ही खेतों पर ही निवास करते हैं। नजदीक ही क्रेशर प्लांट भी संचालित हो रहा है जिसकी उड़ती धूल के कारण इनका जीना दुश्वार हो चुका है, लेकिन बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों के कानों में जू तक नहीं रेंग रही है। इन क्रेसर प्लांटों पर खनीज विभाग कभी अपनी नजरें टेढ़ी करता हुआ दिखाई नहीं देता है। विभाग ने यहां कभी यह जानने की कोशिश तक नहीं की कि यहां गिट्टी, पत्थर के बदले कितनी रॉयल्टी वसूली जा रही है। खनिज विभाग का यह रवैया कहीं न कहीं क्रेसर संचालकों से मिली भगत की तरफ भी इशारा करता है।

समस्या आ रही है तो मैं क्या करूं...

मामले में क्रेशर प्लांट के संचालक कांतिलाल वागरेचा से उनका पक्ष जाना तो उनका कहना था कि मेरा क्रेशर प्लांट काफी समय से संचालित हो रहा है। यहां जो पत्थर जमे हुए हैं मैं वहां हमेशा पत्थर जमा के ही रखता हूं और मुझे स्टॉक करना पड़ता है। अब इन किसानों को समस्या आ रही है तो मैं क्या करूं? मुझे तो सरकारी पट्टा मिला हुआ है। आप उनको भी समझना कि शिकायत करने कुछ नहीं होगा। हमारे पास तो सरकारी पट्टा है इसीलिए हम तो पत्थर वहीं रखेंगे और हमारे पास तो पूरे कागजात है। उल्टा इन लोगों ने वहां अतिक्रमण कर रखा है।

क्रेसर प्लांट से फसलों को हो रहा नुकसान

मामले में दिनेश सिंगाड़ का कहना है कि हमारे काफी किसान भाई लोगों का खेत इधर है और इन्हीं खेत की मेड़ पर इन्होंने अत्यधिक मात्रा में पत्थर जमा दिए है। साथ ही क्रेशर प्लांट पर नियमों का उल्लंघन भी किया जा रहा है। यहां अत्यधिक मात्रा में ब्लास्टिंग करके बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए गए, जो कि गलत है। साथ ही क्रेशर प्लांट पर आसपास बाउंड्री भी नहीं है ना ही मेटी लगा रखी है। उल्टे हमारा खेत पर ही पत्थर जमा दिए गए हैं। अगर पत्थर नहीं उठाते हैं तो हम उच्च अधिकारियों को शिकायत करेंगे, क्योंकि हमारी फसलों को भी इनके क्रेशर प्लांट से नुकसान हो रहा है।

मोहर्रम पर्व को लेकर शान्ति समिति की बैठक संपन्न

माही की गूंज, थांदला।

स्थानीय थाना थांदला भवन पर मोहर्रम पर्व को लेकर शान्ति समिति की बैठक आयोजित की गई। अनुविभागीय अधिकारी तरुण जैन के मुख्य आतिथ्य एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रविन्द्र राठी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक के दौरान एसडीएम एवं एसडीओपी ने संयुक्त रूप से कहा कि आगामी मोहर्रम पर्व सादगी से मनाए। वही शासन की गाइड लाइन के तहत शस्त्र के प्रदर्शन पर प्रतिबन्ध रहेगा व ध्वनि विस्तारक यंत्र का (शासन की गाइड लाइन के अनुरूप) ही उपयोग करें। मोहर्रम पर्व पर नगर में परंपरागत रूट के चलते ताजीये का नगर में भ्रमण किया जाए।

एसडीएम तरुण जैन ने विद्युत मण्डल एवं नगर परिषद के अधिकारी को आदेशित किया कि ताजिये निकलने के दौरान पूर्ववत बिजली (लाइट) व सफाई की व्यवस्था की जाए। एसडीओपी रविन्द्र राठी ने कहा कि मोहर्रम पर्व को सादगी एवं मैत्री के साथ मनाए, शासन की गाइड लाइन से बाहर ना जाएं। बैठक मे विश्व हिन्दू परिषद के संयोजक कमलेश वर्मा, मुस्लिम समाज से जाकिर शेख, रियाज टेलर, भुरू पहलवान, शाहिद जैनब, जावेद खान, शाहिद निज़ामी सहित पत्रकार भी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422